



एक अरब का स्कैम, 59 साल पुराना फर्जीवाड़ा

संभल में सरकार ने कब्जा मुक्त कराई 38 बीघा जमीन

एजेंसी
विक्टोरिया। संभल पालिका क्षेत्र में मुरादाबाद मार्ग पर स्थित तख्त गुसाई में ग्राम सभा की 38 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कराकर ग्राम सभा को सौंपी गई है। यह आदेश उपसंचालक चक्रबंदी

न्यायालय से किया गया है। डीएम अंकित खडेलवाल का कहना है कि लगभग 101 करोड़ रुपये की कीमत इस जमीन की है। यह जमीन करीब 59 साल से निजी कब्जे में थी। ज्यादातर जमीन खाली पड़ी थी जिस पर कब्जा लेकर बोर्ड लगावा दिए गए हैं। जितनी जमीन का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है उनके कब्जाधारकों को नोटिस जारी कर खाली कराने के निर्देश दिए जाएंगे। डीएम और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने मीके पर पहुंचकर मुआयना किया और कब्जा मुक्त किए जाने के निर्देश दिए हैं। डीएम को शिकायत मिली थी कि तहसील संभल



के तख्त गुसाई में सरकारी जमीन पर वर्षों से कब्जा था। इस भूमि का सईदुल रहमान और उनके वारिसों का अनुमानित मूल्य लगभग 101 करोड़

रुपये है। डीएम ने इसका तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने उपसंचालक चक्रबंदी न्यायालय में पुनर्स्थापना अपील दायर करने का निर्देश दिया। तीन जून 2026 को यह अपील दायर की गई। उपसंचालक चक्रबंदी न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई करते हुए 27 जून 2026 को भूमि को ग्राम सभा के नाम दर्ज करने का आदेश दिया गया। डीएम ने बताया कि इस आदेश के बाद ग्राम सभा को यह भूमि पुनः प्राप्त हुई है। आदेश में गांठा संख्या 206, 207, 233, 242/378 और 279 सम्मिलित हैं। भूमि को सरकारी अधिलेखों में दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

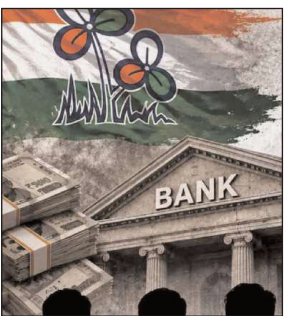
पालिका अध्यक्ष द्वारा पट्टा दिए जाने का दावा किया गया, जो नियम विरुद्ध था

शासन के 11 अगस्त 1954 के गजट के अनुसार, मौजा तख्त गुसाई को गैर आबाद घोषित किया गया था। इसका प्रबंधन नगर पालिका संभल को सौंपा गया था, हालांकि यह क्षेत्र उसकी सीमा से बाहर था। सईदुल रहमान ने दावा किया कि 1967 में तत्कालीन पालिका अध्यक्ष साहू विरजीलाल ने उन्हें इस भूमि का पट्टा दिया था। नगर पालिका अधिनियम 1916 के तहत बिना शासन की अनुमति के संपत्ति का अंतरण नहीं हो सकता। इस मामले में शासन की कोई अनुमति उपलब्ध नहीं थी। अधिनियम के अनुसार, पट्टे की अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं हो सकती। कथित पट्टा दिनांक 12 जुलाई 1967 विधि शून्य पाया गया।

तृणमूल के 440 करोड़ रुपये के फंड पर घमासान

हाईकोर्ट ने पुलिस और राज्य सरकार को भेजा नोटिस

एजेंसी
विक्टोरिया। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ संगठनात्मक विवाद अब पार्टी के वित्तीय संसाधनों तक पहुंच गया है। पार्टी के तीन बैंक खातों में जमा करीब 440 करोड़ रुपये के संचालन और उस पर अधिकार को लेकर पैदा हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और तत्काल सुनवाई की मांग की है।



ममता बनर्जी गुट ने की जल्द सुनवाई की मांग
सोमवार को मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति सीतल भट्टाचार्य की अदालत में किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत ने कहा कि मामले में पुलिस, संबंधित बैंक और राज्य सरकार सहित सभी पक्षों को पहले नोटिस देना जरूरी है। इसके बाद ही सुनवाई की तारीख तय की जाएगी। अदालत ने संकेत दिया कि नोटिस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सोमवार या मंगलवार को मामले पर विचार किया जा सकता है।

ऋतब्रत बनर्जी गुट ने भी पार्टी फंड पर किया दावा

यह विवाद उस समय गहरा गया जब चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। ऋतब्रत बनर्जी गुट ने नेतृत्व में एक गुट ने खुद को पार्टी का वास्तविक संगठन बताया, जबकि ममता बनर्जी का खेमा संगठन और उसके वित्तीय अधिकारों पर अपना दावा बनाए हुए है। इसी खींचतान के बीच पार्टी के बैंक खातों के संचालन का मुद्दा भी विवाद का कारण बन गया। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष अरुण विश्वास ने बैंक को पत्र लिखकर खातों के संचालन पर आपत्ति जताई थी।

राजस्थान-हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते (एमओए) पर हस्ताक्षर

राजस्थान की जल सुरक्षा का नया अध्याय

34,102 करोड़ रुपये की परियोजना से राजस्थान की जल सुरक्षा होगी सुदृढ़

एजेंसी
नई दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, सहकारी संघवाद की भावना तथा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सतत मार्गदर्शन और समन्वयकारी प्रयासों से राजस्थान की बहुप्रतीक्षित यमुना जल परियोजना को ऐतिहासिक सफलता मिली है। सोमवार को नई दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग तीन दशक से लंबित यह परियोजना अब

क्रियान्वयन के निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई है। लगभग 34,102 करोड़ रुपये की लागत वाली यह



नयब सिंह सैनी उपस्थित रहे। इस अवसर पर दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में जल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और राज्यों के बीच सहयोग की नई

कार्य संस्कृति विकसित हुई है। नर्मदा परियोजना, जल जीवन मिशन, केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं की तरह यमुना जल परियोजना भी इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों राज्यों के मध्य विश्वास, संवाद और समन्वय का सेतु बनकर इस जटिल विषय का समाधान संभव बनाया। उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की तकनीकी एवं प्रशासनिक नेतृत्व क्षमता की भी सराहना करते हुए कहा कि मंत्रालय के सक्रिय सहयोग से परियोजना की सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध गति मिली।

अन्नाद्रमुक विधायक एम.आर. विजयभास्कर ने दिया इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में सोमवार को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया। करू विधानसभा क्षेत्र से अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़म (अन्नाद्रमुक) के विधायक एवं पूर्व मंत्री एम.आर. विजयभास्कर ने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही राज्य विधानसभा में रिक्त सीटों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। एम.आर. विजयभास्कर सचिवालय पहुंचे और विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसकी जांच करने के बाद इस्तीफा स्वीकार कर लिया। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि विधानसभा के नियम-21 के तहत विधायक ने स्वयं हस्ताक्षरित इस्तीफा प्रस्तुत किया था। नियम-22 के अनुसार आवश्यक जांच के बाद इस्तीफा स्वीकृत एवं विधिसम्मत पाया गया, जिसके आधार पर उसे स्वीकार कर लिया गया। एम.आर. विजयभास्कर के इस्तीफे से पहले तमिलनाडु विधानसभा की छह सीटें रिक्त थीं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने ली राज्यसभा के सदस्य की शपथ

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं। राज्यसभा के सभापति सीपी



राधाकृष्णन ने सोमवार को उन्हें अपने चैंबर में शपथ दिलाई। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरन रीजीजू, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी मौजूद रहे। मल्लिकार्जुन खरगे 2022 से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्यरत हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सदन में उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मध्य प्रदेश से निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद उन्होंने उच्च सदन के सदस्य के रूप में अपना कार्यभार संभाला। उनके साथ छह अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण से पहले तरुण चुग ने संसद भवन के प्रवेश द्वार पर नमन कर लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इससे पूर्व उन्होंने नई दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबागंज साहिब में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

अगरतला के महाराजा बीर विक्रम हवाईअड्डे पर आठ बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा पुलिस और हवाईअड्डा सुरक्षा बल ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर अगरतला स्थित महाराजा बीर विक्रम हवाईअड्डे पर दो अलग-अलग अभियानों में आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों द्वारा सोमवार को दो गई जानकारी के अनुसार, दोनों अभियानों में चार-चार बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। प्रारंभिक रूप में सामने आया है कि सभी ने त्रिपुरा सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और गुवाहाटी जाने की योजना बना रहे थे।

करजन में खाकी शर्मसार

'कुख्यात' कारिंदे हनुभा और पी.आई. पटेल की जुगलबंदी में पनपा नशे का साम्राज्य, क्या गृहमंत्री के आदेश करजन थाने की चौखट पर दम तोड़ देते हैं?

कुराली, सापा, कंडारी और करमडी में गूज रहे जुए के टिकाने और सुलग रही शराब की भट्टियां: क्या भ्रष्ट तंत्र एक और 'जहरीली शराब कांड' का इंतजार कर रहा है? कब चलेगा एसएमसी का बुलडोजर?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजन। गुजरात में भले ही कागजों पर शराबबंदी के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका में जमीनी हकीकत बेहद खोफनाक और चौंकाने वाली है। करजन तालुका के गांव-गांव में आज इंग्लिश शराब, देसी शराब, वरली मटका जुआ और चरस-गांजे जैसे जानलेवा नशे के कारोबार बिना किसी कानून के उड़ के धड़ल्ले से चल रहे हैं। करजन की युवा पीढ़ी इस नशे के दलदल में बर्बाद हो रही है, और इस पूरे काले साम्राज्य के पीछे खाकी का एक ऐसा 'महारथी' बैठा है, जिसकी मर्जी के बिना करजन में पता भी नहीं हिलता!

गांव-गांव में गैत का सामान और शहर से आने वाले जुआरी!

सूत्रों से मिली पुष्टा और सनसनीखेज जानकारी के अनुसार, करजन के ग्रामीण इलाकों में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं

कुराली गांव: यहाँ की नई नगरी में स्थित पानी की टंकी के पास खुलेआम वरली मटका का जुआ खिलाया जा रहा है।

सापा गांव: नई वसाहत (बस्ती) में वरली मटका का बड़ा जुआ चल रहा है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस जुए के संचालक वडोदरा शहर से स्पेशल करजन में धंधा चमकाने आते हैं!

करजन में खाकी शर्मसार!

'कुख्यात' कारिंदे हनुभा और पी.आई. पटेल की जुगलबंदी में पनपा नशे का साम्राज्य

क्या गृहमंत्री के आदेश करजन थाने की चौखट पर दम तोड़ देते हैं?

कब चलेगा SMC का बुलडोजर?

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

1 क्या SP राबब हनुभा और एन पटेल के खिलाफ सबूत कार्यालय में? 2 SMC की टीम करजन गांवों में कब छापेमारी करेगी? 3 मुख्यमंत्री और गृहमंत्री शराब तस्करो और हफ्ताखोरे खाकी पर कब ताल आये करेगे?

करजन की जनता त्राहिमाम!

युवा पीढ़ी नशे की दलदल में बर्बाद!

अगर ये अवैध धंधे और खाकी का भ्रष्टाचार नहीं रुका, तो होगा महाविस्फोट!

कंडारी गांव: पूरे गांव में जगह-जगह देसी शराब के अड्डे धमक रहे हैं, मानो पुलिस का कोई खोफ ही न बचा हो।

करमडी गांव: इस गांव में तो देसी शराब बनाने की भट्टियां चौबीसों घंटे जहरीली शराब तैयार की जा रही है। अगर कल को करजन की धरती पर कोई बड़ा 'लड्डाकांड' (जहरीली शराब कांड) होता है और मासूमों की जान जाती है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या यह भ्रष्ट तंत्र किसी बड़ी तबाही और लाशों के ढेर का इंतजार कर रहा है कौन है यह 'हनुभा' पी.आई. पटेल का कमाऊ पूत या करजन का अघोषित राजा इस पूरे

अवैध नेटवर्क को चलाने वाला मुख्य सूत्रधार करजन पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ में तैनात कलकित पुलिस कांस्टेबल हनुभा बताया जा रहा है। हनुभा वही कारिंदा (वहीवटदार) है जो पहले भी इंग्लिश शराब के तस्करो (बुगलेगरो) के साथ सीधी साठगांठ में रंगे हाथों पकड़ा जा चुका है, और जिसे जिले से बाहर ट्रांसफर कर सस्पेंड भी किया गया था। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इस भ्रष्ट कर्मचारी पर किस राजनीतिक गॉडफादर का हाथ है, जो सस्पेंड होने के बाद भी पूरी ढिठाई के साथ दोबारा करजन पुलिस स्टेशन में पी.आई. पटेल का कमाऊ पूत या करजन का अघोषित राजा इस पूरे

हनुभा 'कमाऊ पूत' साबित हो रहा है। पी.आई. पटेल को सिर्फ पैसा कमाने में दिलचस्पी है, जिसके चलते पूरा तंत्र खरीद लिया गया है और महीने के लाखों रुपयों का भ्रष्टाचार सरेआम हो रहा है। एलसीबी तक पहुंचता है हफ्ता! गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री को खुली चुनौती करजन में सिर्फ शराब और जुआ ही नहीं, बल्कि गांजे और चरस की तस्करी भी पूरे जिले में नेटवर्क फैलाकर की जा रही है। ताजुब की बात यह है कि जिले की एलसीबी भी इन अड्डों की तरफ से आंखें मूंदे बैठी है। सूत्रों का दावा है कि एक कारिंदा हनुभा जिले की एलसीबी तक ही रह महीने लाखों रुपयों का हफ्ता पहुंचता है! इस हनुभा

की दादागिरी इस कदर बढ़ चुकी है कि वह राज्य के उच्च नेताओं और उपमुख्यमंत्री के आदेशों को भी अपनी जेब में लेकर घूमता है और सीधे सरकार को चुनौती देकर भाजपा सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है।

'महानगर मेट्रो' के सीधे और तीखे सवाल:

- क्या वडोदरा जिले के पुलिस अधीक्षक इस भ्रष्ट कारिंदे हनुभा और पी.आई. पटेल के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर इन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजेंगे?
- गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम करजन के कुराली, सापा, कंडारी और करमडी गांवों में कब छापेमारी करेगी और इन अड्डों को नेस्तनाबूद करेगी?
- राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले शराब तस्करो और हफ्ताखोरे खाकी के भ्रष्ट चेहरों के खिलाफ सूबे के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री कब लाल आंखें करेंगे?

करजन की जनता अब इस नरक जैसी स्थिति से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही है। अगर ये अवैध धंधे और खाकी का यह भ्रष्टाचार जल्द ही बंद नहीं हुआ, तो 'महानगर मेट्रो' पुलिस और बूटलेगरो के इस नापाक गठजोड़ के इससे भी बड़े सबूत जनता के सामने लाकर महाविस्फोट करेगा!

अंकलेश्वर राजपीपला चौराहे के पास फाइनंस कंपनी के सीज़र की बदमाशी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। ज़िले के इंडस्ट्रियल हब अंकलेश्वर में एक और चौकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ फाइनंस कंपनियों के कथित सीज़र कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ रहे हैं, जिसमें अंकलेश्वर-राजपीपला चौराहे के पास से गुज़र रहे एक बेकसूर गाड़ी वाले को निशाना बनाया गया। 15 जून, 2026 को पीड़ित गाड़ी वाला अपनी गाड़ी लेकर राजपीपला चौराहे के पास से गुज़र रहा था, इसी दौरान अनजान लोगों ने एकदम फ़िल्मी स्टाइल में उसकी गाड़ी का पीछा किया और गाड़ी को बीच रास्ते में रोककर बदमाशी शुरू कर दी। ये अनजान लोग ड्राइवर को घसीटते हुए अमरतपाड़ा पाटिया (खतला आपा) ले गए, जहाँ आरोप है कि सीज़र के भेष में इन लोगों ने कानून तोड़ते हुए लुटेरों जैसा बर्ताव किया। नियमों के मुताबिक, अगर ये सच में ऑथराइज़्ड सीज़र हैं, तो रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया को सख्त गाइडलाइंस के मुताबिक, उन्हें मौके पर ही ड्राइवर को लिखकर देना होगा, और उनके पास वैलिड ड्रूथ कार्ड और छहकसर्टीफ़िकेट होना भी बहुत ज़रूरी है। इसके अलावा, गाड़ी के अंदर मौजूद सभी पर्सनल और कीमती सामान नियमों के मुताबिक ड्राइवर को सुरक्षित वापस करने होते हैं, लेकिन इस मामले में उन सभी नियमों का पूरी तरह से उल्लंघन किया गया है। चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है कि इन कथित सीज़रों ने गाड़ी ड्राइवर के साथ तोड़फोड़ की है और बिना किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए उससे पैसे वसूले हैं। गौरतलब है कि दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले भी सीज़रों द्वारा गाड़ियों को ऐसे गैर-कानूनी और जबरदस्ती जब्त करने के खिलाफ कई फैसले दिए हैं, जिसमें सम्मानित कोर्ट ने ऐसी गतिविधियों की कड़ी निंदा की है और सीज़रों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का आदेश दिया है। उस समय, यह मांग उठ रही है कि लोकल पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन अब जागरूक हो और भरूच ज़िले में बेलगाम हो चुके ऐसे तत्वों के खिलाफ ठोस कदम उठाए और लोगों में गाड़ी ड्राइवरों की सुरक्षा के लिए चर्चा हो रही है।

एक थपड़ की कीमत 7 साल जेल है, जबकि 9 बेगुनाह लोगों की लाशों की कीमत सिर्फ बेल है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/राजपीपला। 'कानून सबके लिए एक जैसा है' - यह कहावत अब सरकारी दफ़तरों की दीवारों पर टंगी तख़्तियों तक ही सीमित रह गई है, ऐसा आज के गुजरात को देखकर लगता है। गुजरात की जनता आज हैरानी और गुस्से से यह सवाल पूछ रही है कि इस देश में इंसाफ़ की परिभाषा क्या किसी इंसान के पद और पैसे से तय होती है? सोशल मीडिया से लेकर चाय की केतली तक, आज बस एक ही चर्चा है: 'जबरदस्ती कहते हैं भाई... 9 लोगों को रौंदने वाला इंसान बेल पर चलता है और दो थपड़ मारने पर उसे सीधे 7 साल जेल की सज़ा हो जाती है! अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज पर आधी रात को 141 kmph की स्पीड से कार की चपेट में आए तात्या पटेल आज जेल से बाहर आकर खुली हवा में सांस ले रहे हैं। जिस हदसे में 9 बेगुनाह नौजवानों के दिल टूट गए, 9 परिवारों के कुल के विराग हमेशा के लिए बूझ गए, उस मामले के मुख्य आरोपी को बेल मिल गई। वजह? शायद इसके पीछे करोड़ों रुपये कमाने वाले पिता और महंगे वकीलों की फीज का हाथ हो। 9 परिवारों के आंसुओं का हिासाब अभी बाकी है, तभी गुनहवार बाहर आता है। दूसरी तरफ, आदिवासियों की आवाज उठाने वाले नेता चैतर वसावा पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारियों को धमकाने, दो गोलियां चलाने और हवा में फायरिंग करने का आरोप लगा। कोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया और चैतर वसावा को 7 साल की कड़ी कैद की सजा सुनाई।

जनता के मन में जलते सवाल

क्या इस राज्य में इंसान की जान की कीमत दो लफा से भी कम है? अगर सरकारी कर्मचारी पर हाथ उठाना 7 साल जेल जैसा गंभीर जुर्म है, तो 9 बेगुनाह लोगों को कार के नीचे कुचलना छोटा जुर्म कैसे हो गया? क्या पैसे पकने से कानून के नियम कमजोर हो जाते हैं? यह किसी पॉलिटिकल पार्टी का विरोध नहीं है, बल्कि आम लोगों के दिल में कानून के प्रति अविश्वास है। जब आम आदमी देखता है कि एकसीडेंट में लोगों की जान लेने वाले अमीर लोग कुछ ही महीनों में छूट जाते हैं, तो कानून के डर से जनता का कानून से भरोसा उठ जाता है। ज्यूडिशियरी और सिस्टम को जनता को जवाब देना चाहिए कि यह कैसा इंसाफ है जहां एक लफा की कीमत 7 साल जेल और 9 लाशों की कीमत सिर्फ कुछ महीने जेल है? जनता सब देख रही है, सब समझ रही है और समय आने पर वह इस सिस्टम तक अपनी आवाज जरूर पहुंचाएगी।

लेकिन किचन से निकलते हैं कॉकरोच! खाने की चीजों से कीड़े निकलने से अहमदाबाद के लोग नाराज़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजराती खाने के शौकीन होते हैं। जब शनिवार और रविवार आता है, तो अहमदाबाद के लोग अपने परिवार के साथ नए रेस्टोरेंट और होटलों का स्वाद लेने निकल पड़ते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों से अहमदाबाद के छोटे होटलों के साथ-साथ नामी फाइव-स्टार होटलों और ब्रांडेड कैफे के किचन से जो तस्वीरें और वीडियो आ रहे हैं, उन्होंने अहमदाबाद के लोगों का स्वाद बिगाड़ दिया है। साभर में मग हुआ चूहा, सब्जी में इल्ली और आइसक्रीम में इंसानी उंगली मिलने की घटनाएं अभी थमी भी नहीं हैं कि फाइव-स्टार होटलों के शाही किचन से कॉकरोच और कीड़े निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। जब 'पक्को गुजरात' टीम ने इस गंभीर मुद्दे पर ग्राउंड ज़ीरो पर आम अहमदाबादियों से बातचीत की, तो कैमरे के सामने लोगों का गुस्सा कुछ इस तरह निकला। जो जब खाली करता है, वही पेट खराब करता है। वीडियो इंटरव्यू के दौरान, एक अलर्ट अहमदाबादी ने अपना गुस्सा दिखाते हुए कहा, 'सर, जब हम वोकेंड पर अपने परिवार के साथ फाइव-स्टार होटल में लंच करने जाते हैं, तो हमसे हर व्यक्ति के लिए एक प्लेट के 3,000 रुपये लिए जाते हैं। 4 लोगों के परिवार का बिल आसानी से 10,000 रुपये पर कर जाता है। हम इतने पैसे किस लिए दे रहे हैं? लम्बरी महिला के लिए या क्वालिटी और हाइजीन के लिए?' अगर 3,000 रुपये देने के बाद भी खाने में कॉकरोच या कीड़े निकल रहे हैं, तो अब हमें बाहर खाने जाने से पहले 4-5 बार सोचना पड़ता है। एक और महिला कस्टमर ने कहा, 'पहले ऐसा होता था कि लोग बड़े होटलों में इसलिए जाते थे क्योंकि टूकों में हाइजीन नहीं होती थी। लेकिन अब बड़े होटलों के किचन ज्यादा आते और बदबूदार होते हैं। AMC हेल्थ डिपार्टमेंट की रेंड के जो वीडियो सामने आते हैं, उन्हें देखकर मेरा जी मिचलता है। ये लोग खुलेआम कस्टमर्स की हेल्थ के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। AMC की परफॉर्मंस पर सवाल: क्या आप सील करते हैं या सिर्फ सेटअप करते हैं? अहमदाबाद के लोगों में कॉर्पोरेशन की ढीली पॉलिसी के खिलाफ भी काफी गुस्सा है। लोगों का कहना है कि जब किसी होटल से कीड़े निकलते हैं, तो एडमिनिस्ट्रेशन सिर्फ कुछ हजार का फाइन लगाता है या दो-चार दिन के लिए दुकान सील करके खुश हो जाता है। कुछ दिनों बाद वही होटल फिर से गुलज़ार हो जाता है। जनता का सवाल है कि ऐसे गैर-जिम्मेदार होटल मालिकों के खिलाफ उनके लाइसेंस हमेशा के लिए कैसिल करने जैसी सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? जितना चाहे पैसा कमा लो साहब, लेकिन अगर खराब खाना पेट में जाएगा, तो बीमारी ही लाएगा। अब उन होटलों को सक्क सिखाने का समय आ गया है जो ब्रांड और महंगे बिल के नाम पर जनता को गंदा और खराब खाना परोस रहे हैं। अहमदाबाद निवासियों के लिए खास सलाह: अब सिर्फ होटल का नाम या डेकोरेशन देखकर बेवकूफ न बनें। खाने से पहले खाने की क्वालिटी ठीक से चेक करें और अगर कहीं गंदगी दिखे, तो तुरंत कंस्थमर प्रोटेक्शन और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में शिकायत करें। क्योंकि हेल्थ ही असली कैपिटल है, फाइव-स्टार होटल का बिल नहीं!

पावी जेतपुर में खान-खनिज विभाग की ढिठाई सिहोद ब्रिज के नीचे भू-माफियाओं का तांडव, मुख्यमंत्री तक शिकायत के बाद भी क्यों कुंभकर्णी नींद सो रहा है

रोजाना 200 ओवरलोड ट्रैक्टरों से करोड़ों का रेत घोटाला

क्या कलेक्टर एसपी या एसडीएम की कोई जिम्मेदारी नहीं? या फिर गांधीनगर तक चल रहा है हफ्ता वसूली का खेल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

छोटाउडेपुर / पावी जेतपुर। छोटाउडेपुर जिले के पावी जेतपुर तालुका से प्राकृतिक संपदा की संरक्षण लूट का एक ऐसा चौकाने वाला और गंभीर मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय प्रशासन, पुलिस और खान-खनिज विभाग के दलों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। पावी जेतपुर की लाइफलाइन माने जाने वाले सिहोद ब्रिज के नीचे और उसके आस-पास के नालेज, पादरवाट, ओली अंबा और तेजगढ़ जैसे संवेदनशील इलाकों में अवैध रेत खनन का नेटवर्क एक बार फिर भयानक रूप से सक्रिय हो गया है। नदियों का सीना चीरकर करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति भू-माफियाओं की जेबों में जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

दिनदहाड़े महालूट: जेसीबी से नदियों का कल्लेआम और ट्रैक्टरों का काफिला

स्थानीय नागरिकों और चरमदीयों के अनुसार, यह कोई चोरी-छिपे होने वाला काम नहीं है, बल्कि दिन के उजाले में संरेआम चलने वाली खुली लूट है। नदी के पाट में बड़ी-बड़ी जेसीबी मशीनें उतारकर नियमों को ताक पर रखते हुए अत्यधिक गहराई तक रेत निकाली जा रही है। ग्रामीणों का गंभीर आरोप है कि रोजाना करीब 150 से 200 ओवरलोड ट्रैक्टर बिना किसी रॉयल्टी पास के यहाँ से धड़ल्ले से गुजरते हैं। इन ओवरलोड वाहनों के कारण ग्रामीण इलाकों में करोड़ों की लागत से बनी सड़कें पूरी तरह टूट चुकी हैं और हर वक्त बड़े हादसों का खतरा मंडरता रहता है।



आंखों से देख सकता है कि रोजाना 200 ट्रैक्टर रेत चोरी करके ले जा रहे हैं, तो खान-खनिज विभाग की फ्लाइट स्क्वाड या स्थानीय पुलिस को ये वाहन क्यों नहीं दिखते? क्या अधिकारियों की आंखों पर 'खास चरम' चढ़ चुके हैं? क्या जिले के कलेक्टर, एसडीएम या जिला पुलिस अधीक्षक की यह नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे इस अवैध रेत और मिट्टी खनन माफियाओं पर लगाम कसें? या फिर ऊपर से लेकर नीचे तक सब जगह हफ्ता राज चल रहा है और गांधीनगर में बैठे खान-खनिज विभाग के आला अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अंधे और बहरे बनने का ढोंग कर रहे हैं?

मानसून में पानी के तेज बहाव के बीच कोई बड़ा हादसा होता है और यह पुल ढह जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? एसी केबिन में बैठने वाले कलेक्टर-एसपी या फिर ये बेलगाम माफिया? अतीत में जब जनता का गुस्सा बढ़का था, तब दिखावे के लिए कुछ मामूली छपेमारी करके खानापूति कर ली गई थी, लेकिन कुछ ही दिनों में यह काला कारोबार फिर दोगुनी रफ्तार से शुरू हो गया। इन भू-माफियाओं के पीछे कौन से राजनीतिक आका और रसूखदार नेता खड़े हैं, उनका बेनकाब होना अब बेहद ज़रूरी है।



इस अवैध खनन माफिया के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई नहीं की और इनके वाहनों को सीज नहीं किया, तो जनता खुद सड़कों पर उतरकर अं आंदोलन करेगी और इस लूट को रोकेंगी। अब पूरे जिले की नज़रें कलेक्टर और गांधीनगर के उच्च विभागों पर टिकी हैं कि वे इस करोड़ों के रेत चोरी नेटवर्क को नेस्तनाबूद करने के लिए कब 'बुलडोजर एक्शन' लेते हैं,

मुख्यमंत्री तक गुहार, फिर भी सिस्टम लाचार! कब तक चलेगी यह गिलीभगत?

सबसे बड़ा और चुभता हुआ सवाल यह है कि इस पूरे मामले को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री तक लिखित शिकायतें भेजी जा चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जब पूरा गांव अपनी

सिहोद ब्रिज की सुरक्षा दांव पर: 'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल:

सिहोद ब्रिज के बिल्कुल नीचे और उसके बेहद करीब से अंधाधुंध रेत निकालने के कारण पुल के खंभे और उसकी बुनियाद बेहद कमजोर हो चुकी हैं। अगर आगामी

जनता का फूटा गुस्सा: अब आर-पार की लड़ाई

बार-बार की शिकायतों के बाद भी जब प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया, तो अब पावी जेतपुर और आस-पास के गांवों के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तुरंत

शापर वेरावल में ढाई करोड़ की रेड: राजकोट ग्रामीण पुलिस ने 76.86 लाख रुपये के आपत्तिजनक सामान के साथ 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो



राजकोट। राजकोट ग्रामीण पुलिस ने राजकोट ग्रामीण जिले के शापर-वेरावल पुलिस स्टेशन में दर्ज़ ढाई करोड़ की रेड के अपराध को कुछ ही दिनों में सुलझा लिया है। लोकल क्राइम ब्रांच, राजकोट ग्रामीण पुलिस ने इस अपराध में शामिल कुल 8 आरोपियों में से 3 आरोपियों को कुल

76,86,270 रुपये के आपत्तिजनक सामान के साथ गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही गाड़ी चोरी के दो अन्य अपराधों का भी पता लगाया गया है। आखिरी तारीख: 20/06/2026 को शापर-वेरावल पुलिस स्टेशन इलाके में ढाई करोड़ की रेड का एक गंभीर अपराध हुआ था। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महांरीक्षक नीलिशा राय और पुलिस अधीक्षक विजय सिंह दुर्जन ने घटनास्थल का दौरा किया। आरोपी के.जे. के. मार्गदर्शन में। झाला गोंडल डिवीजन, राजकोट ग्रामीण जिला एलसीबी, एसओजी और स्थानीय पुलिस की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और अपराध का तुरंत पता लगाने के निर्देश दिए गए। 19-20/06/2026 की रात को 1:30 बजे, पांच अज्ञात नकाबपोश लोगों ने शापर मेन रोड पर शिकायतकर्ता जितेंद्रसिंह अजीतसिंह जडेजा, उम्र 37, निवासी शापर के बंगले का दरवाजा तोड़ दिया, लोहे के पाइप के साथ घर में प्रवेश किया,

जानमगर सिटी B डिविजन पोस्ट में रजिस्टर्ड गाड़ी चोरी के क्राइम में चुराई गई थी। इस क्राइम का भी पता लगा लिया गया है। डींग स्वर्ण, SL और फिंगरप्रिंट डिपार्टमेंट की मदद ली गई। 50 से ज्यादा पुलिस की टीम ने सर्च किया। LCB, SOG की करीब 20 टीमों ने अलग-अलग राज्यों और जिलों में जांच की। शापर-वेरावल से धोलरा, राजकोट शहर, कुवाडवा, वाकानेर, सूरजवाड़ी चेंक पोस्ट क्षेत्र में होटलों और ढाबों के कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जाँच की गई। सूचना के आधार पर, राजकोट ग्रामीण एलसीबी पी.एस.ई. के.एम.चावड़ा, एच.सी.गोहिल, पी.एन.भरवाड़ और लीव रिजर्व पी.एस.ई. ए.बी. जाडेजा ने दाहोद जिले के कटवाड़ा पोस्ट क्षेत्र में चेंक पोस्ट पर नाकाबंदी की और कुल 8 आरोपियों में से 3 आरोपी बनसिंग उर्फ हेमराज सिंघड, तेजारिया गांव, डोबानिया पालियू, ता. जी. जाम्बुआ (मध्य प्रदेश), सेतन दीवानभाई अमलियार, नीमच गांव, उचवास पालियू, ता. गरबाड़ा, जी. दाहोद निवासी और दिनेश सेतनभाई परमार, नीमच गांव, परमार पालियू, ता. गरबाड़ा, जी. दाहोद इनके पास से हथियार व एक बोलरो चार पहिया वाहन जब्त किया गया है। डकैती व आर्मस् एक्ट के अपराध धार में दर्ज हैं। सेतन अमलियार के खिलाफ गरबाड़ा पी.ओ. में निषेधाज्ञा के 7 अपराध व दिनेश परमार के खिलाफ

निषेधाज्ञा के 2 अपराध दर्ज हैं। फरार आरोपियों में कलमसिंह उर्फ ??कमलसिंह मावजिया सिंगड, करणसिंह उर्फ ??माडिया हेमराज सिंगड, मोहबत निवासी चेरगड़, सुलसुला बामणिया निवासी चेरगड़, टांडा जिला धार (म.प्र.) व विजन मावी शामिल हैं। छापे में जब्त नकदी - 43,18,500 रुपये, आभूषण - 21,22,380 रुपये, अन्य आभूषण - 1,50,000 रुपये, 4,17,690 बोलरो कार - 1,00,000 रु., हथियार - 21,00 रु., शस्त्र - 1 10,000 रु., मोबाइल फोन - 3 15,000 रु., चोरी की मोटरसाइकिल - 2 1,00,000 रु. कुल बरामद वस्तुएं - 76,86,270/- यह सम्पूर्ण अभियान राजकोट ग्रामीण एलसीबी के पीआई जे.पी. राव, पीएसआई के.एम. चावड़ा, पीएसआई एच.सी. गोहिल, पीएसआई आर.बी. विमानी, पीएसआई पी.एन. भरवाड़, साइबर क्राइम सेल राजकोट, राजकोट ग्रामीण एसओजी के पीआई ए.के. पारगी, पीएसआई जे.जे. जाला, शापर वेरावल पोस्ट के पीआई आर.बी. राणा, पीएसआई आर.डी. सोलंकी, पीएसआई बी.जी. जेटवा, पीएसआई एसआर सहित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अंजाम दिया गया। पंड्या, लीव रिजर्व पीएसआई ए.बी. जडेजा और साइबर क्राइम पोस्ट के पीएसआई सी.बी. वांक शामिल थे।

गांधीनगर: नर्मदा नहर में एक अनजान महिला की लाश मिलने की चौकाने वाली घटना, फायर ब्रिगेड ने लाश बाहर निकाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राजधानी गांधीनगर से गुजरने वाली नर्मदा मेन नहर में एक और लाश मिलने की चौकाने वाली घटना सामने आई है। जैसे ही यह जानकारी मिली कि नहर के बहते पानी में एक अनजान महिला की लाश तैर रही है, लोकल इलाके में भारी हंगामा मच गया। फायर डिपार्टमेंट ने घंटों की मशकत के बाद लाश बाहर



निकाली घटना की जानकारी के मुताबिक, नर्मदा नहर में एक महिला की लाश देखकर लोकल लोगों ने तुरंत अधिकारियों को इन्फॉर्म किया।

भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब पुलिस आस-पास के इलाकों में लापता लोगों की लिस्ट चेक करके महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। क्या महिला नहर में नहते समय डूब गई, उसने सुसाइड किया या इस घटना के पीछे कोई और राज या क्रिमिनल साजिश छिपी है? पुलिस ने उन सभी दिशाओं में जांच शुरू कर दी है।

भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब पुलिस आस-पास के इलाकों में लापता लोगों की लिस्ट चेक करके महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। क्या महिला नहर में नहते समय डूब गई, उसने सुसाइड किया या इस घटना के पीछे कोई और राज या क्रिमिनल साजिश छिपी है? पुलिस ने उन सभी दिशाओं में जांच शुरू कर दी है।

साणंद पुलिस स्टेशन की हद में देसी शराब और जुए का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साणंद/अहमदाबाद। गुजरात में शराब पर ऑफिशियल बैन है, लेकिन असलियत यह है कि शराब तस्करो और करप्ट पुलिस अधिकारियों की बाजीगरी ने इस कानून की धज्जियां उड़ा दी हैं। इस बात का बड़े पैमाने पर शोर मचा हुआ है कि अहमदाबाद देहात का इंडस्ट्रियल हब माने जाने वाले साणंद पुलिस स्टेशन के इलाके में देसी शराब और जुए के अडे़ बिना किसी डर के धड़ल्ले से चल रहे हैं। लोकल सूत्रों और आम चर्चाओं के मुताबिक, इस पूरे खेल के पीछे पुलिस इंसपेक्टर का कथित 'हसा राज' और एडमिनिस्ट्रैटर का फैला हुआ कर्रशन काम कर रहा है। आज हम साणंद पुलिस के उस काले पहलू से पर्दा उठाएंगे, जो कानून की आड़ में हर दिन लाखों रुपये की ठगी कर रही है। साणंद पंथक में छोटे-बड़े गांवों से लेकर हाईवे तक देसी शराब की दुकानें और जुए के क्लब फल-फूल रहे हैं।

वाव-थराद पंथ में पॉलीक्लिनिक और ICDP ऑफिस शुरू करने के लिए शंकरभाई चौधरी को प्रेजेंटेशन

11 लाख से अधिक पशुओं के लिए आधुनिक पशु अस्पताल और कांकरेज नस्ल संरक्षण केंद्र की ज़रूरत बताई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। बनासकांठा के नेता और BJP थराद शहर के पूर्व जनरल सेक्रेटरी ने वाव-थराद इलाके के पशुपालकों के हित और पशुओं की सुविधा के लिए एक अहम प्रेजेंटेशन दिया है। तुलसी डेयरी फार्म के संचालक और लुनाल के पशुपालक प्रकाशभाई सुरजमल सोनी ने विधानसभा स्पीकर माननीय शंकरभाई चौधरी को एक लिखित प्रेजेंटेशन देकर जल्द से जल्द जानवरों की सेवाएं बढ़ाने की मांग की है। प्रेजेंटेशन में बताया गया है कि वाव-थराद इलाके में करीब 11 लाख से ज्यादा पशु हैं। इतनी ज्यादा संख्या में पशुओं के बावजूद लोकल लेवल पर कोई ज़िला लेवल का मल्टीपर्सनल नवरो के हास्पिटल (पॉलीक्लिनिक) नहीं है। इस वजह से जब कोई जानवर गंभीर बीमारी या एकसीडेंट का शिकार होता है, तो पशुपालकों को सोनोगाफी, एक्स-रे या सर्जरी जैसे खास इलाज के लिए दूसरे जिलों में जाना पड़ता है। ऐसे में पशुपालकों का समय और पैसा दोनों की भारी बर्बादी हो रही है। दूसरी तरफ, बनासकांठा की खास पहचान कांकरेज गाय समेत देसी नस्लों के संरक्षण और उनके जेनेटिक सुधार के लिए भी प्रस्ताव आया है। इलाके में दूध का प्रोडक्शन बढ़ाने और पशुपालकों की इनकम दोगुनी करने के मकसद से वाव-थराद में जिला लेवल पर इंटेंसिव कैटल इम्प्रूवमेंट प्रोजेक्ट ऑफिस शुरू करना बहुत ज़रूरी हो गया है। सरकारी लेवल पर जल्द मंजूरी की मांग प्रकाशभाई सोनी ने माननीय शंकरभाई चौधरी से पूरजोर गुजारिश की है कि वे राज्य सरकार के सामने इस मुद्दे को प्राथमिकता दें और वाव-थराद इलाके के लिए मल्टीपर्सनल वेटेरिनरी हास्पिटल और ICDP ऑफिस को जल्द से जल्द मंजूरी दिलाने के लिए ज़रूरी एडमिनिस्ट्रैटिव प्रोसेस करें। अगर ये दोनों सुविधाएं लोकल लेवल पर शुरू हो जाती हैं, तो इलाके के हजारों पशुपालक परिवारों और लाखों पशुओं को सीधा फायदा होगा और पूरे सूबे में पशुपालन के क्षेत्र में एक नई क्रांति आएगी।

संक्षिप्त न्यूज

वडोदरा में 30 नई एसी ईबसों की शुरुआत, जल्द चलेंगी 250 इलेक्ट्रिक बसें
महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत शहर में 30 नई एसी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हुआ। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खड्ग और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बसों को हरी झंडी दिखाई। पहले चरण के बाद शहर में कुल 250 पर्यावरण-अनुकूल ई-बसें चलाई जाएंगी, जिनमें GPS, लाइव ट्रैकिंग और कैशलेस टिकटिंग जैसी सुविधाएं होंगी।

कलोल में BJP पार्षद के पति का मारपीट का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर: कलोल में भाजपा पार्षद रेखाबेन नायक के पति तुषार नायक का एक युवक से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। तुषार नायक ने इसे हिंसा-कितार के लेकर हुआ पुराना विवाद बताया, जबकि पुलिस ने कहा कि अब तक इस मामले में कोई शिकायत नहीं मिली है।

सुजलाम सुफलाम अभियान के 5,749 काम अधूरे, मोरबी सबसे पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर: राज्य सरकार के सुजलाम सुफलाम जल अभियान 2.0 के तहत स्वीकृत 19,064 कार्यों में से 5,749 अब भी अधूरे हैं। मोरबी में सबसे कम 1.86' कार्य पूरे हुए, जबकि आनंद, खेड़ा और साबरकांठ ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

राजकोट में पुल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। पुलिस ने चावल की भूसी से भरे ट्रक में छिपाकर लाई जा रही 11 हजार से अधिक विदेशी शराब की बोतलें जब्त की हैं। करीब 740 लाख की शराब के साथ तीन तस्करो को गिरफ्तार कर ट्रक भी कब्जे में लिया गया है।

नागदा 125 महिलाओं को मिला प्रशिक्षण, जरूरतमंदों को सिलाई मशीनें भेंट

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नागदा। सर्व प्रयास सामाजिक संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन गीता श्री गार्डन, में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए तीन सिलाई मशीनें भेंट की गईं। साथ ही 125 महिलाओं एवं बालिकाओं को सिलाई, मेहंदी एवं ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। सर्व प्रयास सामाजिक संस्था पिछले लंबे समय से समाज के कमजोर वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है। संस्था का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

जेतपुर के रणुजा धाम के महंत करसनदास बापू ने बीमारी की वजह से सुसाइड किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। बोरडी समधियाला और खारचिया गांव के बीच मौजूद पवित्र रणुजा धाम मंदिर के महंत करसनदास बापू के सुसाइड की खबर से पूरे इलाके में दुख की लहर दौड़ गई है। लंबे समय से मंदिर की सेवा में लगे महंत ने यह आखिरी कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी उनके पास से मिले 'सुसाइड नोट' से मिली है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन्होंने बीमारी की वजह से सुसाइड किया है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, जेतपुर तालुका के बोरडी समधियाला और खारचिया गांव के बीच मौजूद पवित्र रणुजा धाम मंदिर के महंत करसनदास बापू के निधन से भक्तों में बहुत दुख है। महंत करसनदास बापू का छोड़ा गया सुसाइड नोट बहुत दिल दहला देने वाला है। इस नोट में उन्होंने अपनी जिंदगी के पिछले 47 सालों की



तस्वीर बताई है। उन्होंने लिखा है कि उन्होंने 47 साल पहले अपना परिवार छोड़ दिया था और सन्यासी बन गए थे। मूल रूप से टाटा मीठापुर के रहने वाले और वारिया कुंभार जाति में जन्मे महंत ने पिछले 45 साल रणुजा धाम मंदिर की सेवा और पूजा में बिताए थे। उन्होंने बताया है कि पिछले 47 सालों से उनका



अपने परिवार से कोई संपर्क नहीं था और उन्होंने अपना पूरा जीवन भगवान की भक्ति और सेवा में लगा दिया था। सुसाइड नोट में इतने बड़े कदम के पीछे की मुख्य वजह सामने आई है। महंत ने साफ तौर पर कहा है कि वह पिछले दस सालों से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लड़ रहे थे। शरीर में फैल रही इस बीमारी से होने वाला दर्द अब असहनीय हो गया था, जिसे सहना उनके लिए नामुमकिन हो गया था। अपना दुख जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा है कि शारीरिक दर्द से तंग आकर ही उन्होंने

यह अंतिम रास्ता चुना है। महंत करसनदास बापू ने अपने बाद मंदिर और गद्दी की व्यवस्था के लिए भी जरूरी निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुसाइड नोट में लिखा है कि बोरडी समधियाला के सरपंच और कार्य मंडल 'वडल हनुमान' के सेवायत पुजारी रामदास बापू को रणुजा धाम का नाम महंत नियुक्त करें। उन्होंने अब अपनी जिम्मेदारियां रामदास बापू को सौंपने की इच्छा जताई है। घटना की सूचना मिलते ही जेतपुर तालुका पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने महंत के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया और उनके पास से मिले सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल महंत की मौत से भक्तों में बहुत दुख है। उनके अंतिम दर्शन के लिए रणुजा धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

गांधीनगर: डभोदा में लावरपुर झील के पास इंदिरा आवास के बंद घरों में चल रहे शराब के नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर: राज्य में शराबबंदी की गतिविधियों को खत्म करने के लिए काम कर रही स्टेट मॉनिटरिंग सेल की एक टीम ने एक टिप-ऑफ के आधार पर गांधीनगर के डभोदा पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत लावरपुर गांव में छपा मारा और एक संश्लिष्ट क्राइम गैंग के दो साथियों को बड़ी मात्रा में विदेशी शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने मौके से और आरोपियों की तलाशी के दौरान विदेशी शराब की छोटी और बड़ी बोतलें, बीयर के टिन, मोबाइल, कैश और गाड़ियों समेत कुल 25.26 लाख से ज्यादा की रकम जब्त की है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल की एक टीम ने गांधीनगर में एक और बड़े विदेशी शराब रैकेट का पर्दाफाश किया है। स्टेट

मॉनिटरिंग सेल की टीम जिले में बड़ी विदेशी शराब की गतिविधियों के नेटवर्क को खत्म करने के लिए पेट्रोलिंग कर रही थी। उसी दौरान जानकारी मिली कि मनोज भीमाजी ठाकोर नाम का एक लिस्टेड बूटलेगर, लावरपुर गांव में इंदिरा आवास नगर के पास झील के पास एक खुली जगह में राज्य के बाहर से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब मंगवाकर उसकी गैर-कानूनी बिक्री और स्टोरेज का नेटवर्क चला रहा है। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस ने लावरपुर झील के पास झाड़ी वाले इलाके में तिरपाल से बनी एक झोपड़ी पर अचानक छपा मारा। छपे के दौरान, पुलिस ने घेराबंदी की और झोपड़ी के बाहर प्लास्टिक की थैलियों और बोतलों के साथ बैठे दो लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, गिरफ्तार आरोपियों ने अपने नाम



राजनकुमार सुरेशचंद्र पटेल (बिजनेस-जमीन दलाली, घर पटेल वास, टावर के बगल में, गांव मगोड़ी) और अजीत विनुभाई ठाकोर (घर ठाकोर फलियूं, लावरपुर) बताया। उनकी तलाशी के दौरान दो मोबाइल फोन और 46,950 रुपये कैश मिले। बंद फ्रिज से शराब और बीयर बरामद आगे की जांच में पता चला कि झोपड़ी में बंद हालत में रखे फ्रिज से भरे बीयर के टिन और विदेशी शराब की बोतलों से भरे खाकी

डिब्बे मिले। गिरफ्तार आरोपी राजन पटेल ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वह और उसका दोस्त, लिस्टेड बूटलेगर मनोज भीमाजी ठाकोर (निवास लावरपुर) पिछले तीन महीने से यह धंधा कर रहे हैं। जिसमें मनोज मुख्य मास्टरमाइंड है और वह राजस्थान के खेरवाड़ा में रहने वाले कैलाश आदिवासी, जीवन बांगुड़ा और मुकेश देवासी से शराब मंगवाता था। पुलिस ने मौके से 14 लाख 19 हजार 265 रुपये कीमत की कुल 3127 बोतल विदेशी शराब और बीयर, दो मोबाइल, कैश और शराब ले जाने में इस्तेमाल होने वाला एक फोर-व्हीलर, एक मोपेड स्कूटर, कुल 25.26 लाख रुपये से ज्यादा का सामान जब्त किया, जिससे लोकल पुलिस हैरान रह है।

149 वीं जगन्नाथ रथ यात्रा के मौके पर निकाली गई जल यात्रा के दौरान, भक्त सिर पर पानी के बर्तन रखकर यात्रा में शामिल हुए

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। 16 जुलाई को आषाढ़ी बीज के पवित्र दिन होने वाली भगवान जगन्नाथ की 149वीं ऐतिहासिक जल यात्रा से पहले, सोमवार, 29 जून को एक पारंपरिक जल यात्रा निकाली गई और भगवान को नदी के पानी से 108 पानी के बर्तनों में विसर्जित किया गया। साबरमती नदी से लाए गए पवित्र जल का इस्तेमाल मंदिर के महंत और दूसरे संतों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रों के जाप और शंख बजाने के साथ भगवान का जलाभिषेक करने के लिए किया गया। औपचारिक जल यात्रा शहर के जमालपुर में मौजूद जगन्नाथजी मंदिर से शुरू हुई। इसमें भगवान जगन्नाथजी, बहन सुभद्राजी और भाई बलभद्रजी को बैलगाड़ी पर विराजमान किया गया। रथ,



घोड़ागाड़ी, झंडा-मोमबत्ती, कावड़ियां और अखाड़े के साथ यह जुलूस आकर्षण का केंद्र बना। जल जुलूस साबरमती नदी के किनारे सोमनाथ भूदर के तट पर पहुंचा और वहां से वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ साबरमती नदी का पवित्र जल 108 डिब्बों में भरा गया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जल जुलूस के पूरे रास्ते में 500 से ज्यादा पुलिस और होमगार्ड के जवान तैनात किए गए थे। पूरे रास्ते पर छद्म और ड्रोन कैमरों की मदद से कड़ी निगरानी रखी गई।

अहमदाबाद: दर्पण छा रास्ता के पास कुछ लोगों ने एक अधेड़ उम्र के आदमी को उंडे से पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नारनपुरा। अहमदाबाद के नारनपुरा में दर्पण छा रास्ता के पास हुई लड़ाई का एक वीडियो वायरल हुआ है। नशे में धुत एक युवक को लोगों ने गाली-गलौज और मारपीट की, जिससे वह भड़क गया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। यूनिवर्सिटी पुलिस ने अभी शिकायत दर्ज नहीं की है, लेकिन वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी है। एक अधेड़ उम्र के सफाई कर्मचारी पर दर्पण छा रास्ते के पास जानलेवा हमला किया गया, जब वह मेनगर फायर स्टेशन से नवरंगपुरा पुलिस चौकी का रहा था। तीन लोगों ने सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी और अधेड़ उम्र के आदमी को पीटना शुरू कर दिया। इस संरेआम हुई लड़ाई का वीडियो भी वायरल हो गया है, जिससे लोगों में गुस्सा है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर



वायरल हो रहे वीडियो में हमलावरों ने अधेड़ उम्र के आदमी पर बिना रहम दिखाए उसे पीटा। जिसमें एक व्यक्ति अधेड़ उम्र के आदमी को उंडे से पीटा रहा था। जबकि दूसरा व्यक्ति उसे लगातार लात-घुंसों से जमीन पर गिराकर मार रहा था। इस अमानवीय हमले की वजह से सफाई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि, वहां से गुजर रहे कुछ जागरूक लोगों ने हिम्मत दिखाई और बीच-बचाव करके अधेड़ उम्र के आदमी को हमलावरों से बचाया। इसके बाद, घायल अधेड़ उम्र के आदमी को तुरंत इलाज के लिए सोला सिविल

हॉस्पिटल ले जाया गया। पूरी घटना की खबर मिलते ही गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस का एक कॉफिला मौके पर पहुंचा और जांच शुरू कर दी। गुजरात यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के PI एस.आर. बावा ने बताया कि, 'पुलिस की एक टीम पीड़ित का बयान लेने और शिकायत दर्ज करने सोला सिविल हॉस्पिटल पहुंची थी। लेकिन, फिलहाल, अधेड़ उम्र के आदमी ने तुरंत शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया है और अपने वकील से बात करने के बाद ही ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराएगा।'

युवराजसिंह ने स्टूडेंट्स से लूटपाट और परेशान करने के खिलाफ हथियार उठाए: कलेक्टर ऑफिस पर धावा बोलेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। छोटा उदयपुर के गायत्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग में चल रहे भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ अब पूरी लड़ाई शुरू हो गई है। अब कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा स्टूडेंट्स का आर्थिक और मानसिक शोषण रोकने के लिए गुजरात के जाने-माने स्टूडेंट लीडर युवराजसिंह जडेजा ने बड़ी एंटी की है। इस एंटी से कॉलेज अधिकारियों और भ्रष्ट बाबुओं में हड़कप मच गया है। गायत्री कॉलेज ऑफ नर्सिंग में स्टूडेंट्स लंबे समय से परेशान हैं। कॉलेज मैनेजमेंट नियमों के खिलाफ एकस्त्र फीस ले रहा है, जबकि हर मामले में सख्त पैनल्टी लगाई जा रही है। जैसे कि यह काफी नहीं था, पढ़ाई का लेवल पूरी तरह से गिर गया है और हॉस्टल में खाने-पीने के पानी की भारी कमी है। लाखों रुपये देने के बावजूद, स्टूडेंट्स बेबस थे क्योंकि उन्हें बैसिक सुविधाएं नहीं मिल रही थीं। युवराज सिंह ने स्टूडेंट्स की तकलीफ सुनी और कलेक्टर ऑफिस में जाकर बैठ गए, जैसे ही यह नाइसाफी सामने आई, स्टूडेंट लीडर युवराज सिंह जडेजा तुरंत



छोटा उदयपुर पहुंचे। उन्होंने खुद नर्सिंग कॉलेज के स्टूडेंट्स से मुलाकात की और उनकी सभी शिकायतों और तकलीफों को बहुत गंभीरता से सुना। स्टूडेंट्स पर हो रहे अत्याचारों का हिसाब मांगने के लिए, युवराज सिंह जडेजा सीधे स्टूडेंट्स की एक बड़ी फौज के साथ छोटा उदयपुर कलेक्टर ऑफिस पहुंचे और कलेक्टर के सामने अपनी बात रखी। एडमिनिस्ट्रेशन को 15 दिन का अल्टीमेटम: ACB में शिकायत करें, किसी से डरने की जरूरत नहीं कलेक्टर ऑफिस के बाहर से युवराजसिंह जडेजा ने

कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन और एडमिनिस्ट्रेशन को जानलेवा चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अगले 15 दिनों में इन स्टूडेंट्स की सभी समस्याओं का पक्का हल नहीं हुआ, तो छोटा उदयपुर की धरती से इतना बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा कि सरकार हिल जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने स्टूडेंट्स को हिम्मत देते हुए एक सनसनीखेज बयान दिया, 'अगर कोई भी व्यक्ति या अधिकारी आपसे कारशन या रिश्तत मांगता है, तो उनसे डरने की जरूरत नहीं है, सीधे एंटी-करशन ब्यूरो में शिकायत करें, गुजरात का पूरा युवा आपके साथ खड़ा है। अब देखना यह है कि कुंभकर्ण की नींद में सोया एडमिनिस्ट्रेशन युवराजसिंह की इस शेर दहड़ के बाद जागता है या 15 दिन बाद छोटा उदयपुर में कोई बड़ा धमाका होता है!

गांधीनगर: लोकल बॉडी चुनाव के बाद राजनीतिक उथल-पुथल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। लोकल बॉडी चुनाव के बाद कांग्रेस और BJP के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। कांग्रेस के सीनियर नेता तुषार चौधरी ने आरोप लगाया कि लोकल बॉडी चुनाव में BJP ने अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल किया और कांग्रेस उम्मीदवारों के नॉमिनेशन फॉर्म वापस लेने के लिए धमकियां दीं। इस स्थिति से कांग्रेस के चुने हुए सदस्यों और कार्यकर्ताओं में बहुत नाराजगी है और कई सदस्य इस्तीफा दे रहे हैं।



कांग्रेस ने BJP पर सत्ता के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया

तुषार चौधरी ने कहा कि यह पूरा मामला कांग्रेस हाईकमान के सामने रखा गया है। गुजरात कांग्रेस इंचार्ज को भी नाराजगी जताई गई है और इंचार्ज जल्द ही गुजरात आकर नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। उन्होंने पार्टी में जल्दी फैसले लेने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि यह भी कहा गया है कि पार्टी फैसले लेने में देरी कर रही है। ब्यारा तालुका पंचायत चुनाव का जिक्र करते हुए तुषार चौधरी ने कहा कि उन्होंने खुद यह घटना देखी है। उनके मुताबिक, कांग्रेस के तीन चुने हुए सदस्यों को पुलिस ने बिना किसी वजह के हिरासत में लिया और ढाई घंटे तक थाने में रखा ताकि वे वोट न दे सकें।

रथ यात्रा से पहले दरियापुर में गुप में झड़प, कल रात हुए आम झगड़े के बाद बढ़ा मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आने वाली रथ यात्रा से पहले दरियापुर इलाके में डांडियावाड़ नाका के पास दो युवकों के बीच हुई आम झड़प ने बड़ा रूप ले लिया। लोगों के समझाने पर कुछ देर के लिए मामला शांत हो गया, लेकिन बाद में दोनों परिवारों के आमने-सामने आने से माहौल फिर से गरमा गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि महिलाओं के बीच भी हाथापाई हो गई। इसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, कल दरियापुर में दो युवकों के बीच हुए विवाद के बाद दो गुप लाठी-डंडों और दूसरे हथियारों से भिड़ गए। जिसमें कुछ लोगों ने गाड़ियों को निशाना बनाकर उनमें तोड़फोड़ की, जिससे पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया। इस घटना में दोनों गुप ने एक-दूसरे के खिलाफ हथियारों के साथ दरियापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। इस पूरी घटना को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस वीडियो में साफ दिख रहा है कि लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंक रहे हैं और भगदड़ मच गई है।



अहमदाबाद: धंधुका के पास दो कारों की टक्कर, डॉक्टर का परिवार घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। धंधुका-राइका रोड पर गमारा हॉस्टल के पास दो कारों के बीच एक्सीडेंट हो गया। सालगणपुर से मंदिर दर्शन करके अहमदाबाद लौट रहे एक डॉक्टर का परिवार इस एक्सीडेंट में घायल हो गया। एक्सीडेंट में एक महिला समेत कुल तीन लोगों को मामूली चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े। घायलों को तुरंत 108 इमरजेंसी सर्विस से इलाज के लिए धंधुका के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। धंधुका पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी कार्रवाई की और एक्सीडेंट के कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी है। एक्सीडेंट की वजह से कुछ देर के लिए सड़क पर ट्रैफिक जाम हो गया।



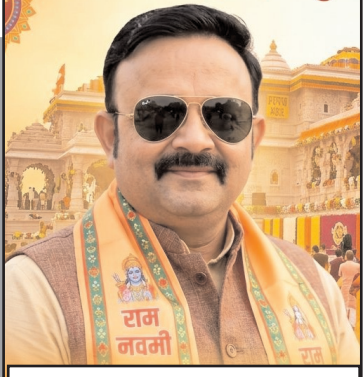
दैनिक राशिफल

30 जून 2026, मंगलवार

मेष कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा।	तुला नए लाभ के संकेत हैं। इसे एक कार्य पूरे होने। वाणी पर संयम रखें।
वृषभ रुके हुए काम पूरे होंगे। नौकरी और व्यापार में लाभ के योग हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	वृश्चिक महंत का पूरा फल मिलेगा। करियर में प्रगति होगी। स्वैत सामान्य रहेगी।
मिथुन नए अवसर मिल सकते हैं। विचारधारा के लिए दिन शुभ है। अनावश्यक खर्च से बचें।	धनु धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार का सुख मिलेगा। नए कार्य की शुरुआत शुभ रहेगी।
कर्क पारिवारिक सुख मिलेगा। कार्यक्षेत्र पर समय बड़ेगा। किसी पुराने विषय से मुलाकात हो सकती है।	मकर कार्यक्षेत्र में सफलता और पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। तनाव से बचें।
सिंह आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। निवेश सोच-समझकर करें।	कुंभ नौकरी और व्यवसाय में लाभ होगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी।
कन्या व्यापार में लाभ होगा। दोषपूर्ण जीवन मुहूर्त रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।	मीन धन्य का साथ मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। विचारधारा और प्रतिभा के परिष्कार की तैयारी कर रहे लोगों के लिए अनुकूल योग।
शुभ अंक 5	शुभ रंग हरा

आज का उपाय
इतना ही जो चिंतु और चिंती का तन अतिम को तन 'ओ हनुमन् नमः' मंत्र का 108 बार जप करें। इससे शांति, सुख और कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..



पवन माकन
युप एडिटर, महानगर मेट्रो

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खात्री यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं है। वहीं पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आना तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नहीं है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूँकि नैटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आंगूठी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।



पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है

कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खात्री यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप में पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर

आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कंग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं? इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नागरिकता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो। बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

संपादकीय

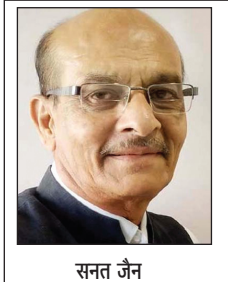
सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्त का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांके की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ पदचरित्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य परत किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयसिम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटि सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय एवं और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रियायतों से प्रभावित सुखविंद सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित करके, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शांति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, वह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहाँ हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहाँ हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहाँ हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूँढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपको सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति। आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूँढ रहे हैं।



सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री विदेश दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हेवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां



पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनौती मुद्दा था। इस समय नरेंद्र मोदी ने विश्वों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार

को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेर बजाए एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है। इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते

हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशेल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेर बजाए में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुपनी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। काकोरच जितना पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल को पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और राहती बला नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कटिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसके लेकर तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार



मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़ूर पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का घंथा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमाता होने के कारण इसे विश्व की फार्मेसी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का घंथा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमाता देश में गैर मानकीकृत स्तर की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं। नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली सॉल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिबर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं। ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन

फार्मसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिन्नर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटाइनल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अवाक मोत होने का अत्यधिक खतरा रहता है। आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है। इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 46 दवा नमूनों को नोट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. व्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्य की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमाता द्वारा बनाई गई एक स्थायिरस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया। इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजेक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजेक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसेंस रद्द कर दिया है। राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सिटीसिन इंजेक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को

जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सिटीसिन) इंजेक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजेक्शनों में आक्सिटीसिन की मात्रा शून्य पाई गई। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसेंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थी जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजेक्शन कहाँ से आए ! राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने की भी कहा है कि ये इंजेक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके। इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनियता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर व्क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो व्क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा। दवाओं में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सिटीसिन इंजेक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को



आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए। केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य व्क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमों लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉन्स्ट्रिक्शन एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छापें, और सील टूटी होने जैसी विषंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद व्क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमाता की जानकारी को सत्यापित करें। हर खरीद पर केश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग सदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पता पर शिकायत दर्ज कराएं। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।)

'कोई मुझे कॉल-मैसेज कर परेशान कर रहा, मैं थाने नहीं आ सकती' यूपी में 12वीं की छात्रा ने जब पुलिस से लगाई गुहार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूपी की एक 12वीं की छात्रा ने पुलिस से हेल्प मांगी। छात्रा को कोई व्यक्ति कॉल या मैसेज के जरिए परेशान कर रहा है। छात्रा का कहना है कि वह थाने शिकायत करने नहीं जा सकती है। छात्रा को इस पोस्ट के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया और छात्रा की मदद के लिए पहले की है। इसके बाद सोशल मीडिया पर मामला तेजी से वायरल हो गया और लोग इस मामले में जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। यूपी की एक कक्षा 12 की छात्रा ने एक्स पर लिखा कि कोई व्यक्ति उसे कॉल या मैसेज के जरिए परेशान कर रहा है। मना करने के बाद भी वह नहीं सुधर रहा। छात्रा ने उसका नंबर भी शेयर किया। छात्रा ने एक्स पर ही पुलिस से मदद मांगी। इस पर यूपी पुलिस की आईडी से छात्रा को लिखा गया कि सम्बंधित थाने पर लिखित शिकायत दर्ज कराएँ, आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

छात्रा ने लिखा- मेरे घरवालों को पता चलेगा तो दिक्कत हो जाएगी

इस पर छात्रा ने जवाब दिया कि अम्बेडकर नगर में मेरे घर वालों को पता चलेगा तो दिक्कत होगी। उसने कहा कि वह थाने नहीं जा सकती। यूपी पुलिस ने इस मामले को लेकर तुरंत संबंधित थाने और महिला हेल्पलाइन को ही कार्रवाई करने के लिए टैग किया। इसके बाद अम्बेडकर नगर पुलिस की आईडी एक मैसेज दिया गया कि अपना मोबाइल नंबर मैसेज बॉक्स में साझा करें। 1091 हेल्प लाइन पर शिकायत दर्ज करने को कह रहे हैं।

सर्दी हुई तो डेढ़ साल के मासूम को अस्पताल ले गया परिवार, इलाज के बाद चली गई आंखों की रोशनी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले से स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। सर्दी और आंखों में लालिमा की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचे 19 महीने के मासूम की इलाज के बाद कथित रूप से दोनों आंखों की रोशनी चली गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने जांच समिति गठित कर दी है। मध्य प्रदेश के सागर जिले के सरकारी अस्पताल से स्वास्थ्य व्यवस्था को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां इलाज के दौरान कथित लापरवाही के चलते 19 महीने के एक मासूम की आंखों की रोशनी चली जाने का आरोप लगा है। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है, जबकि CMHO ने जांच के लिए समिति गठित कर दी है। जानकारी के अनुसार, भूसा कमलपुर गांव निवासी इन्द्राज विश्वकर्मा अपने 1 साल 7 महीने के बेटे विनय विश्वकर्मा को 29 मई 2026 को सर्दी और आंखों में लालिमा की शिकायत के अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने बच्चे को आई ड्रॉप, पैरासिटामोल सिरप, इंजेक्शन और अन्य दवाएं दीं। परिवार का कहना है कि दवा देने के बाद बच्चे की हालत में सुधार होने के बजाय तेजी से बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने एम्स भोपाल भेज दिया। पीड़ित पिता का दावा है कि एम्स भोपाल में जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि गलत इलाज या चिकित्सकीय लापरवाही के कारण बच्चे की दोनों आंखों की रोशनी पूरी तरह चली गई है और वह अब नेत्रहीन हो गया है। इन्द्राज विश्वकर्मा ने बंदा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित डॉक्टर और जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि वह डॉक्टर को पहचानते हैं, लेकिन उनका नाम नहीं जानते। उधर, बंदा के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. योगेंद्र खटीक ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए CMHO द्वारा समिति गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'चंदा चोरी' के नैरेटिव पर 'मथुरा-लोहिया' का प्रहार, कैसे योगी-बीजेपी ने पलटा अखिलेश का दांव?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। सियासत में इन दिनों राम मंदिर के चंदा चोरी के मुद्दे पर सपा ने आक्रामक तैयारी अपना रखी है, जिसे काउंटर करने के लिए योगी आदित्यनाथ ने भी बड़ा दांव चला दिया है। सीएम योगी ने एक तरफ मथुरा का मुद्दा उठाकर प्रहार किया तो दूसरी तरफ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राम मनोहर लोहिया के परिजनों से मुलाकात की। उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों 'धर्म और चंदा' को लेकर सियासी घमासान छिड़ा हुआ है। राम मंदिर में चढ़ावे और चंदा चोरी के मामले को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आक्रामक रुख अपनाते हुए बीजेपी के खिलाफ नैरेटिव सेट करने में जुटे हैं, जिसे काउंटर करने के लिए बीजेपी मंडल और कमंडल का एक साथ प्रयोग कर रही है। सपा के सियासी तैवर को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हमले को रक्षात्मक होकर झेलने के बजाय, एक ऐसा 'मथुरा कार्ड' खेला, जिसने सपा को राजनीतिक कशमकश में डाल दिया है।



सीएम योगी ने अखिलेश यादव को कृष्ण जन्मभूमि पर राजनीतिक स्टैंड लेने का चैलेंज दिया तो दूसरी तरफ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ में राम मनोहर लोहिया के परिजनों से उनके घर पर जाकर मुलाकात किया। एक साथ जिस तरह से सीएम योगी और पंकज चौधरी ने सियासी दांव चला है, उसके पीछे सपा के चंदा चोरी वाले नैरेटिव को तोड़ने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में सीसीटीवी

फुटेज और दान में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर जैसे ही 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई, अखिलेश यादव ने इसे सीधे योगी सरकार की नाकामी और बीजेपी के चरित्र से जोड़ दिया। अखिलेश ने प्रयागराज और आजमगढ़ की अपनी रैलियों में आरोप लगाया कि बीजेपी के लिए राष्ट्र नहीं, बल्कि 'दान' सबसे पहले है। इनके लिए धन ही धर्म है। सीसीटीवी का मतलब अब 'चंदा चोरी' और 'चढ़ावा चोरी' वीडियो बन गया है। अखिलेश यादव ने चंदा चोरी को लेकर सियासी नैरेटिव सेट करने में जुटे हैं। अखिलेश का मकसद बीजेपी के सबसे मजबूत किले यानी 'हिंदुत्व और शुचिता' की छवि पर चोट करना और खुद को सनातन धर्म के रक्षक के रूप में पेश करते हुए यह कहना कि वे इटावा के केदारेश्वर मंदिर के निर्माण के बाद अयोध्या जाएंगे। अखिलेश यादव जिस तरह राम मंदिर के चंदा चोरी मामले को लेकर बीजेपी पर हमलावर है, उससे बीजेपी के लिए सियासी जवाब देना

मुश्किल रहा था। राम मंदिर पर सपा के तैवर को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बीजेपी के रणनीतिकारों ने इस नैरेटिव को काउंटर करने की रणनीति अपनाई। पहला प्रशासनिक स्तर पर कड़ा रुख अपनाकर और दूसरा राजनीतिक रूप से 'मथुरा' का मुद्दा उछालकर, योगी सरकार ने चंदा में गड़बड़ी की शिकायत मिलते ही बिना किसी डेरी के एसआईटी (स्टूडेंट्स) जांच बैठक दी और सरकार ने तुरंत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दिया कि जन-आस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी शास्त्र को बख्शा नहीं जाएगा। इस त्वरित और कठोर कार्रवाई ने अखिलेश के उन आरोपों की धार कुंद कर दी कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस के मंच से उन पर सीधा तीखा हमला बोला। योगी ने अखिलेश के 'धार्मिक नगरी' वाले बयानों पर तंज कसते हुए सपा के इतिहास की दुखती रांण पर हाथ रखा और कहा कि मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की भूमि पर अपना स्टैंड साफ करें।

कुदाल चलाते हुए मजदूर को मिला चमकता पत्थर, उठाकर देखा तो भागते हुए पहुंचा घर, अब मिलेंगे लाखों

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना में गरीब आदिवासी की किस्मत फिर से पलट गई है। काफी मेहनत के बाद राजू आदिवासी को एक बेशकीमती हीरा मिला है। उसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। हीरा मिलने का बाद राजू आदिवासी ने इसे हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। नीलामी के बाद उसका भुगतान किया जाएगा।

मजदूर है राजू आदिवासी

हीरा नगरी पन्ना में फिर एक बड़ा हीरा मिला है। इस बार अहिंसावादी की एक निजी खदान से राजू आदिवासी नाम के मजदूर को 11 कैरेट 19 सेंट का उज्वल किस्म का बेशकीमती हीरा मिला है। जानकारी के मुताबिक राजू आदिवासी रोज की तरह अपनी पट्टे की खदान में मिट्टी खोद रहा था। तभी उसे एक चमकता हुआ पत्थर दिखा।

चमक उठी आंखें



के चेहरे की खुशी देखने लायक थी। उसने बताया कि कई सालों से खदान में किस्मत आजमा रहा था। आज मेहनत रंग लाई। नीलामी से मिलने वाली राशि से वह अपने बच्चों को पढ़ाएगा और पक्का मकान बनाएगा। पन्ना में गरीब-मजदूरों की तमना होती है पूरी पट्टा लेकर हीरे की शक होने पर उसने साफ किया तो उसकी आंखें चमक उठीं। यह उज्वल किस्म का हीरा निकला। खुशी से झूमते हुए राजू सीधे पन्ना हीरा कार्यालय पहुंचा और हीरा जमा करवा दिया। हीरा पारखी ने हीरे की जांच की। वजन 11 कैरेट 19 सेंट निकला। क्वालिटी उज्वल किस्म की बताई जा रही है। इसकी अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये से ऊपर आंकी गई है। असली कीमत नीलामी के बाद ही तय होगी। कई सालों की मेहनत का है फल पन्ना हीरा कार्यालय में जमा कराते समय राजू आदिवासी

जावरा में बिखरे दक्षिण भारत के रंग: जैन सोशल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार के मद्रासी थीम ने जीता सबका दिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा। मिलकर जब कदम बढ़ाते हैं तो इतिहास बन जाता है इस कहावत को सच करते हुए जैन सोशल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हर आयोजन सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि जावरा शहर की शान बन जाता है। मैत्री परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस बार ग्रुप ने मद्रासी थीम पर आधारित एक बेहद अनूठा और भव्य आयोजन किया जिसने मैत्री परिवार के दंपति साथियों को सीधे दक्षिण भारत के सांस्कृतिक सफर पर ले जाने का अहसास कराया है। उक्त विचार अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर अनिल धारीवाल ने व्यक्त किये उक्त मौके पर नेचरल अवनेयस कमेट्री के चेयरमैन संदीप रांका ने कहा कि हमारी असली ताकत हमारा टीम वर्क है मैत्री परिवार का यह शानदार आयोजन इस बात का गवाह है कि जब पूरा परिवार एक दिशा में कदम बढ़ाता है, तो इतिहास खुद-ब-खुद बन जाता है। हमारी भारतीय 7परंपरासुमार स्वाद और संस्कृति का अनूठा संगम ?इस विशेष उत्सव में चारों तरफ पारंपरिक दक्षिण भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिली। वेशभूषा से लेकर सजावट तक हर चीज में मद्रासी संस्कृति का जीवंत रूप नजर आया जो निश्चित रूप से मैत्री परिवार के सदस्यों कि सामूहिक मेहनत से सफलता पूर्वक आयोजन के

लिए पूरी टीम को साधुवाद। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यहाँ वेशभूषा के साथ मद्रासी व्यंजन बेहद स्वादिष्ट और पारंपरिक भोजन रहा जिसने आए हुए सभी दंपति साथियों का दिल जीत लिया। इस बेमिसाल और सफल आयोजन के सफलता के पीछे समस्त दंपति और टीम वर्क का जादू ?इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता का श्रेय किसी एक को नहीं बल्कि पूरी मैत्री परिवार की टीम को जाता है जिसके लिए सभी दंपति साथियों का स्वागत अभिनंदन करते हैं। उक्त जानकारी देते हुए ग्रुप के प्रचार सचिव मनीष मेहता ने बताया की युग द्वारा नगर में प्रथम बार मद्रासी थीम पर आयोजित आयोजन में प्रवेश से लेकर ड्रेसअप, सजावट, भोजन, आदि समस्त पारम्परिक रहा है। नवीन दंपति साथियों का प्रथम बार आने पर स्वागत किया गया एवं विगत दिनों लायंस क्लब जावरा के निर्वाचन में सचिव पद पर गुरु संदीप रांका, उपाध्यक्ष पद पर पंकज कोडेड़, संचालक मंडल में विशाल चत्तर, संदीप दसेड़ा के निर्वाचित होने के साथ कोषाध्यक्ष पद पर विपिन चोरडिया एवं संचालक मंडल में शरद डुंगरवाल के मनोनयन होने पर स्वागत सम्मान किया गया साथ ही नवायु यात्रा करने वाले साथियों का बहुमान किया गया कार्यक्रम का संचालन एंकर सुश्री नेहल जैन रतलाम ने करते हुए नये नये पारंपरिक गेम एवं प्रश्न मंचन करा कर सभी को बहुत गुदगुदाया मैत्री परिवार के इस आयोजन के लिए विशेष रूप से पुर्वाध्यक्षों ?कर्म



पदाधिकारी जिन्होंने दिन-रात एक कर आयोजन को भव्य रूप दिया। हमारी असली ताकत हम सबका टीम वर्क है यह शानदार आयोजन इस बात का गवाह है कि जब मैत्री परिवार एक दिशा में कदम बढ़ाता है तो इतिहास खुद-ब-खुद बन जाता है। संगठन की इसी ताकत के दम पर मैत्री परिवार भविष्य में भी ऐसे नए और अनोखे आयोजन करता रहेगा।

नाग की मौत का बदला लेने को कार में बैठी रही नागिन!

खिड़की में पूंछ फंसने से बची सद्दाम हुसैन की जान हाथरस में सद्दाम हुसैन की कार से कुचलकर नाग की मौत हो गई। दावा किया जा रहा है कि नागिन ने सद्दाम की जान लेने की कोशिश की।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां मथुरा-बरेली बाईपास पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक तेज रफतार कार का चालक अचानक ब्रेक लगाकर वाहन छोड़कर भाग निकला। इस दौरान कार असंतुलित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। गनीमत रही कि चालक बाल-बाल बच गया। दावा किया जा रहा है कि कार के अंदर एक नागिन बैठी थी जो चालक को डसने का मौका तलाश रही थी। मथुरा के कोसीकला निवासी सद्दाम हुसैन कबाड़ का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले उनके प्लाट पर खड़ी कार के नीचे नाग-नागिन का जोड़ा बैठा था। झड़वर ने कार निकाली तो पहिले के नीचे आकर कुचलने से नाग की मौके पर मौत हो गई। नागिन काफी देर तक मृत नाग के पास बैठी रही। डर की वजह से सद्दाम हुसैन ने डंडे से नागिन पर हमला किया, लेकिन वह जान बचाकर भाग गई। इसके बाद सद्दाम ने मरे हुए नाग को नाले में फेंक दिया। तब से नागिन सद्दाम

से बदला लेने के लिए भटक रही थी। बीते 28 जून को सद्दाम के बेटे का जन्मदिन था और घर में तैयारियां चल रही थीं। तभी घर के गेट पर नागिन दिखी तो सबके होश उड़ गए। इसी दिन सद्दाम हुसैन बरेली जा रहे थे। रास्ट्रे में सद्दाम को बगल वाली सीट पर नागिन बैठी दिखाई दी। उसकी पूंछ खिड़की में फंसी थी, इसलिए वह हमला नहीं कर पा रही थी। सद्दाम ने धक्काकर चलती कार गड्ढे में उतार दी और भाग निकले। 41 डिग्री तापमान में वह सड़क किनारे खड़े रहे। बाद में बेशवा गांव से

युवक बुलाकर कड़ी मशक्कत के बाद नागिन को कार से बाहर निकलवाया। तीन साल पहले बीवी को भी काटा था सांप ने सद्दाम ने बताया कि तीन साल पहले उनकी पत्नी हसीना को भी सांप ने काटा था। इलाज से जान बची थी। मेरी कार के पहिले के नीचे आकर एक नाग की मौत हो गई थी और नागिन बच निकली थी। नागिन के जिंदा होने से परिवार में दहशत है। अगर खिड़की में पूंछ न फंसती तो नागिन कई बार उनको डस चुकी होती।

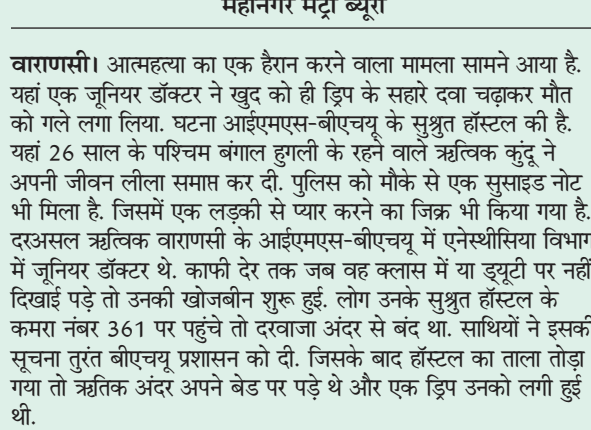
मुजफ्फरनगर में मंत्री जी की गुड़की के बाद भी बिजली विभाग ने करा दी FIR

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। बिजली कटौती से नाराज लोगों द्वारा बिजलीघर पर हंगामा करने के बाद बड़ा सियासी ड्रामा सामने आया है। सूबे के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार का बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर को धमकी भरा फोन करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बिजली कटौती से परेशान लोगों ने जमकर हंगामा किया। बिजलीघर का भी घेराव किया। लोगों ने लाइनमैन तक को बंधक बना लिया। जिसके बाद जेई ने हंगामा करने वालों के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज करने के लिए तहरीर दी। ऐसे में इलाके के लोका ऋद्ध कोटे से योगी सरकार में मंत्री अनिल कुमार के पास पहुंचे। जिसपर मंत्री ने बिजली के चीफ इंजीनियर को फोन पर ही हड़का दिया और कहा कि लोगों पर एफआईआर नहीं होनी चाहिए। मगर मंत्री की बातों को अनसुना कर दिया गया। आपको बता दें कि यह विवाद नई मंडी कोतवाली क्षेत्र की गांधी कॉलोनी में शनिवार देर रात भीषण गर्मी के बीच कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण पैदा हुआ था। वहां गुस्साए ग्रामीणों ने फौडर पर हंगामा करते हुए लाइनमैन सुधीर को बंधक बना लिया और बदतमीजी की, जिसके बाद विभाग ने पुलिस में शिकायत कर दी। इस बीच मंत्री अनिल कुमार ने मुजफ्फरनगर में बिजली कटौती को लेकर हंगामा करने वाले स्थानीय लोगों के खिलाफ मुकदमा न लिखने के लिए विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर विनोद कुमार को फोन पर सख्त चेतावनी दे डाली। मंत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मंत्री जी मुजफ्फरनगर विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर विनोद कुमार को फोन पर बेहद तल्ख लहजे में हड़काते हुए कह रहे हैं कि अगर मुकदमा लिखवाया तो ठीक नहीं होगा।

'मम्मी-पापा माफ करना...', BHU के जूनियर डॉक्टर ने IV ड्रिप लगाकर की आत्महत्या

डॉक्टर ऋतविक कुंद ने ड्रिप के जरिए एनेस्थीसिया की दवा का ओवरडोज लेकर आत्महत्या कर ली



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। आत्महत्या का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जूनियर डॉक्टर ने खुद को ही ड्रिप के सहारे दवा चढ़ाकर मौत को गले लगा लिया। घटना आईएमएस-बीएचयू के सुश्रुत हॉस्टल की है। यहां 26 साल के पश्चिम बंगाल हुाली के रहने वाले ऋतविक कुंद ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें एक लड़की से प्यार करने का जिक्र भी किया गया है। दरअसल ऋतविक वाराणसी के आईएमएस-बीएचयू में एनेस्थीसिया विभाग में जूनियर डॉक्टर थे। काफी देर तक जब वह क्लास में या ड्यूटी पर नहीं दिखाई पड़े तो उनकी खोजबीन शुरू हुई। लोग उनके सुश्रुत हॉस्टल के कमरा नंबर 361 पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। साथियों ने इसकी सूचना तुरंत बीएचयू प्रशासन को दी। जिसके बाद हॉस्टल का ताला तोड़ा गया तो ऋतविक अंदर अपने बेड पर पड़े थे और एक ड्रिप उनको लगी हुई थी।

सुसाइड नोट में इन बातों का है जिक्र

पहली दफा अंदाजा लगाया जा रहा है कि ड्रिप के सहारे ही एनेस्थीसिया की दवा लेने के चलते ओवरडोज की वजह से ऋतविक की मौत हो गई। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस ने बताया कि शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें ऋतविक ने अपने मम्मी-पापा से माफी मांगी है और कहा है कि वह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। सुसाइड नोट में लिखा गया है कि जिंदगी बहुत शॉर्ट है। जिसका पता बाहर से नहीं चल सका, लेकिन यहां आकर पता चला कि जीवन में बहुत संघर्ष है। उसने यह भी लिखा कि वह अपनी इच्छा से जान दे रहा है। इसके लिए किसी को परेशान ना किया जाए। खासकर उस लड़की को, जो उससे बहुत प्यार करती है। उसके लिए बहुत कुछ किया है। दोस्तों परिजनों में जा रहा हूँ अलविदा दुनिया...

महानगर मेट्रो
हमसे जुड़े
/MahanagarMetro
/mahanagametro
/MahanagarMetro
www.mahanagametro.com

महानगर मेट्रो
भारत का भरोसेमंद
मीडिया नेटवर्क

काग्रम स्टीरी, इन्वेंस्टिगेशन स्टीरी, मनोरंजन स्टीरी, सोर्ट्स स्टीरी

सहित बेहतरीन और विश्वसनीय खबरों के लिए महानगर मेट्रो को फॉलो करें

विधसनीय खबरें, तेज अपडेट्स, ग्राउंड रिपोर्ट्स, एक्सक्लूसिव इन्वेस्टिगेशन

FOLLOW NOW

हर खबर पर सबसे पहले नज़र

पवन आनंद
ग्रुप एडिटर

आपके साथ, आपके लिए

दिल्ली मेट्रो के ग्रीन-येलो लाइन वाले इन 6 स्टेशनों पर जाने वाले सावधान! एडवाइज़री जारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की तरफ से 6 मेट्रो स्टेशनों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। इन स्टेशनों पर एस्केलेटर की मरम्मत का काम चल रहा है। DMRC का दावा है कि बेहतर सुरक्षा और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए, ग्रीन और येलो लाइन के 6 स्टेशनों पर एस्केलेटर का बड़े पैमाने पर मरम्मत का काम किया जा रहा है।

किन स्टेशनों पर चल रहा काम

1. महाराजा सूरजमल स्टेडियम ग्राउंड से कॉनकोर्स
2. पीरागढ़ी निचला कॉनकोर्स से ऊपरी कॉनकोर्स
3. उद्योग नगर ग्राउंड से कॉनकोर्स
4. मुंडका प्लेटफॉर्म-2 का कॉनकोर्स
5. इफको चौक प्लेटफॉर्म-1 का कॉनकोर्स
6. एमजी रोड प्लेटफॉर्म-1 का कॉनकोर्स

लिफ्ट का इस्तेमाल करने की सलाह

इतना ही नहीं दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने साफ-साफ यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा के दौरान संबंधित स्टेशनों पर मौजूद लिफ्ट का इस्तेमाल करने से बचें। डीएमआरसी के बयान का अर्थ है

बारिश का इंतजार कर रहे दिल्ली वालों के लिए 4 जुलाई की तारीख क्यों अहम है?



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। जून महीना समाप्त होने को है और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारिश का इंतजार है कि समाप्त ही नहीं हो रहा। भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं। अगले पांच दिन मानसून के लिए अनुकूल परिस्थितियां रहने का अनुमान मौसम विभाग ने व्यक्त किया है। जून का महीना अब समाप्त होने की ओर है, लेकिन गर्मी है कि कम होने का नाम नहीं ले रही। जून महीने के अंत में भी दिल्ली और आसपास यानी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रहने वाले लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं। पारा 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, लेकिन हॉट इंडेक्स यानी फोल्स लाइक तापमान 51.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा। बारिश के इंतजार में लोग बेहाल हैं और यह इंतजार है कि खतम होने का नाम ही नहीं ले रहा। बारिश का इंतजार कर रहे दिल्ली वालों के लिए 4 जुलाई की तारीख अहम होने वाली है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट ने अपडेट दिया है कि अगर परिस्थितियां अनुकूल रहें तो मानसून 4 जुलाई तक दिल्ली पहुंच सकता है। स्काईमेट के मौसम एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा है कि मानसून की देरी के कारण तापमान असामान्य रूप से अधिक बना हुआ है। उन्होंने कहा है कि मानसून सामान्य परिस्थितियों में 27-28 जून तक दिल्ली पहुंच जाता है। इससे तापमान में गिरावट आने लगती है, लेकिन इस वर्ष मानसून एक हफ्ते की देरी से दिल्ली पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने दिल्ली में 29 जून को गरज-चमक के साथ बारिश का पूर्वानुमान बताया है। मानसून के नजरिये से 4 जुलाई की तारीख दिल्ली वालों के लिए अहम बताई जा रही है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले पांच दिन मानसून के अनुकूल परिस्थितियां बनी रहेंगी। दक्षिण-पश्चिम मानसून इन पांच दिनों में उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में आगे बढ़ेगा। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, जम्मू कश्मीर, लद्दाख और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों तक अगले दो से तीन दिन में मानसून पहुंचने के अनुमान बताए हैं।

डाइव और रिजॉर्ट के पूल में युवक की मौत, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग की खबर हिला देगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक रिजॉर्ट में कम गहरे स्विमिंग पूल में सिर के बल कूदने से 25 साल के एक टूरिस्ट की मौत हो गई। इस दुखद घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मृतक की पहचान कोल्हापुर जिले के श्रेणिक मिलिंद टाकले के तौर पर हुई है। वह अपने 9 दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाते गए थे, तभी 20 जून को मालवन के वायरी इलाके में स्थित रिजॉर्ट में यह घटना हुई।

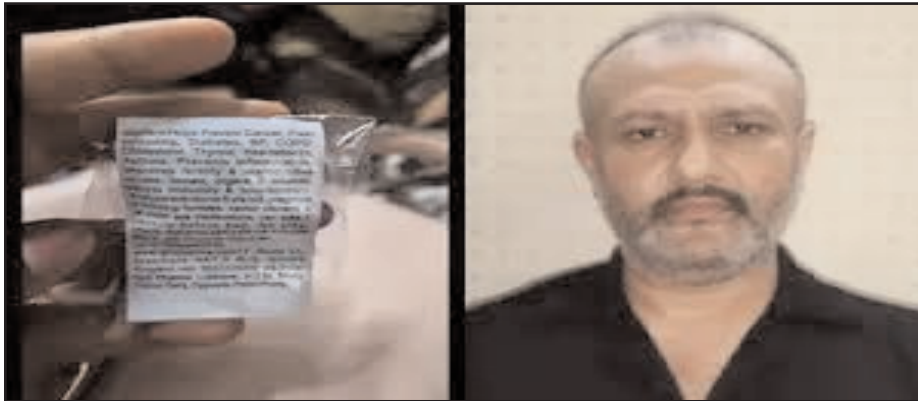


हादसे से कुछ देर पहले रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में ग्रुप को पूल के पास डांस करते हुए देखा जा सकता है। कुछ ही सेकंड बाद, टाकले करीब आठ से दस फीट की ऊंचाई पर चढ़ते हैं और स्विमिंग पूल के उस कम गहरे हिस्से में सिर के बल कूद जाते हैं जो बच्चों के लिए बना था। पूल की गहराई सिर्फ चार फीट के आसपास थी। कूदने की रफ्तार और जोर की वजह से टाकले का सिर पूल की तली से टकराया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस ने बताया कि उनकी मौत के तुरंत बाद ही मौत हो गई। उसके दोस्त उसे मालवन रूरल हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने एम्बेसीडेंटल डेथ रिपोर्ट दर्ज की है और पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिवार को सौंप दिया है। इस मामले की जांच पुलिस सब-इंस्पेक्टर गणेश माने की देखरेख में की जा रही है। पूल में हुई इस घटना जो वीडियो सामने आया है, वह हिला देनेवाला है। इसमें दिख रहा है कि दोस्त पूल में पाटी कर रहे हैं। कुछ पानी के अंदर और कुछ बाहर खड़े होकर डांस कर रहे हैं। तेज गाने बज रहे हैं। एक दोस्त ऊंचाई पर खड़े होकर डांस करता है और पूल में छटांग लगाता है। वह पूल से निकलता है और किनारे डांस करने लगता है। उसके बाद श्रेणिक मिलिंद टाकले की ओर कैमरा मुड़ता है और दिखाई दे रहा है कि श्रेणिक ऊंचाई पर खड़ा होकर डांस कर रहा है और फिर पूल में कूद जाता है।

पुणे के फयाज प्रेमजी के 15000 लोगों को मारने का सच खंगाल रही पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बायकुला पुलिस ने बताया कि पिछले हफ्ते बायकुला में मुहम्मद जुलूस में शामिल लोगों को जिक फॉस्फाइड वाली गोलियां बांटने के आरोप में गिरफ्तार किया गया 39 साल का पुणे का रहने वाला है। वह शख्स करीब दो हफ्ते पहले शहर आया था और डोंगरी के एक सस्ते होटल में ठहरा था। इसके बाद उसने कथित तौर पर ऑनलाइन 30,000 कैप्सूल और 50 किलो जिक फॉस्फाइड मंगवाया। एक अधिकारी ने कहा वह इन गोलियों से 15,000 लोगों को मारना चाहता था। पुलिस ने उसके पास से जहर भरी 14900 गोलियां जब्त की हैं। मामले में एक खास बात पता चली है कि वह 2025 में 19 बार ईरान और इराक गया था। जिक फॉस्फाइड का इस्तेमाल अक्सर चुहें को मारने के जहर के तौर पर किया जाता है और यह ईरानों के लिए बहुत जहरीला हो सकता है। आरोपी फयाज प्रेमजी ने कथित तौर पर जुलूस में शामिल लोगों को ये गोलियां दर्द निवारक और इम्युनिटी बढ़ाने वाली दवा बताकर दी थीं। लगभग 10 लोगों ने खाई गोलियां एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कम से



कम 10 लोगों ने ये गोलियां खाई थीं, लेकिन जहर के लक्षण दिखने के बाद सिर्फ दो लोग पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस को शक है कि गोलियां खाने वाले लोगों की संख्या ज्यादा हो सकती है, लेकिन उन्हें समय पर इलाज मिल गया। मां और बहन ईरान और इराक में पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या पुणे में पेट बनाने का

कारोबार करने वाला प्रेमजी किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा था। जांच में फयाज प्रेमजी के फोन पर ईरान और इराक के नंबर मिले थे। अब तक की जांच में पता चला है कि ये नंबर उसकी मां और बहन के हैं, जो कथित तौर पर उन देशों में रहती हैं। वह खुद कई बार ईरान और इराक जा चुका है। प्रेमजी को रविवार को दो दिन की पुलिस

कस्टडी में भेज दिया गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि दो साल पहले पत्नी के छोड़कर चले जाने के बाद वह डिप्रेशन में चला गया था। अधिकारी ने कहा कि जानकारी जुटाने के लिए पुलिस की एक टीम पुणे गई है। पीड़ितों में से एक, गोवंडी के रहने वाले सलमान मोहम्मद इस्लाम सय्यद (26) की पत्नी ने झूठू को बताया कि जुलूस की रस्मों के दौरान हुए दर्द से राहत के लिए एक महिला को अपने बेटे को गोली देते हुए देखकर उसने भी उस महिला से एक गोली ली थी। दो घंटे बाद उसे उल्टी होने लगी। उसकी हालत स्थिर है और उसका इलाज चल रहा है। श्रद्धालुओं में से एक, 26 साल के सलमान सईद ने कथित तौर पर उनमें से एक कैप्सूल खा लिया था, जिसके बाद उसे उल्टी और बेचैनी महसूस हुई। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज हुआ और अब वह खतरों से बाहर बताया जा रहा है। पूछताछ के दौरान, प्रेमजी ने दावा किया कि ये कैप्सूल मुहम्मद के दौरान मातम मानाने और खुद को चोट पहुंचाने (सेल्फ-हैरिजेशन) जैसी रस्मों में शामिल श्रद्धालुओं को दर्द से राहत देने के लिए थे।

दिल्ली के जाम को मात देगा राजधानी का दूसरा नया क्रेबल ब्रिज! 1.8 किलोमीटर होगी लंबाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आजादपुर से दिल्ली यूनिवर्सिटी नॉर्थ कैम्पस के बीच रिंग रोड को जाम फ्री करने के लिए 1.8. किमी लंबा क्रेबल ब्रिज बनाया जाएगा। सिग्नेचर ब्रिज के बाद यह दिल्ली का दूसरा केबल ब्रिज होगा। केबल ब्रिज रिंग रोड पर बनने वाले एलिवेटेड कारिडोर का ही हिस्सा होगा। वजीराबाद की ओर आउटर रिंग रोड पर जाने के लिए एक यू-टर्न भी बनाया जाएगा। रिंग रोड पर केबल ब्रिज बनाने का मकसद यह है कि इस स्ट्रेच में जमीन की उपलब्धता काफी कम है। अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के चलते अंडरग्राउंड टनल का स्कोप भी नहीं बचा है। पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार आजादपुर चौक से डीएनडी फ्लाईओवर के बीच रिंग रोड का यह स्ट्रेच करीब 23.6. किमी लंबा है। इस पूरे स्ट्रेच को तीन फेज में बांटा गया है। पहला फेज आजादपुर चौक से मेट्रोकॉफ हाउस, दूसरा फेज मजनु के टीला से सलीमगढ़ फोर्ट और तीसरा फेज सलीम गढ़ फोर्ट से डीएनडी फ्लाईओवर है। इस स्ट्रेच में रिंग रोड पर रोजाना जितना ट्रैफिक है,



उसका 46. प्रतिशत ट्रैफिक इसी स्ट्रेच में है। इसलिए सबसे पहले ही जाम फ्री करने का प्लान है।

केबल ब्रिज बनाने की योजना

आजादपुर चौक से एलिवेटेड कारिडोर को आगे ले जाने के लिए जीटीवी नगर मेट्रो स्टेशन से विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन के बीच स्पेस काफी कम है। दोनों मेट्रो स्टेशनों के बीच की दूरी करीब 900. मीटर है। दोनों स्टेशनों के बीच रिंग रोड पर सिग्नेचर ब्रिज की तरह ही 1.8. किमी लंबा केबल

बैगा अंचल तक पहुंची स्वास्थ्य की नई किरण: पीएम-जनमन के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट बनी ग्रामीणों के लिए जीवनदायिनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साहनेवारा। दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले बैगा आदिवासी परिवारों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में जिला प्रशासन का सराहनीय प्रयास लगातार रंग ला रहा है। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत विकासखंड छुईखदान के पीएम-जनमन ग्राम संजारी में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से बैगा आदिवासी ग्रामीणों को उनके गांव की चौखट पर ही निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कलेक्टर श्री इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रेम कुमार पटेल के निर्देशन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा तथा सहायक आयुक्त श्री स्वर्णिम शुक्ला के मार्गदर्शन, नोडल अधिकारी डॉ. मनीष बघेल एवं श्री ब्रजेश ताम्रकार के पर्यवेक्षण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। ग्राम संजारी पहुंची मोबाइल मेडिकल यूनिट का



ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत किया। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए पहुंचे। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने प्रत्येक मरीज का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया, निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया तथा

जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की सलाह भी दी। ग्रामीणों ने बताया कि अब मामूली उपचार और स्वास्थ्य जांच के लिए लंबी दूरी तय कर अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। गांव में ही स्वास्थ्य सेवाएं मिलने से समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा समय पर उपचार मिलने से स्वास्थ्य के शसन और स्वास्थ्य विभाग की इस जिम्मेदारी पहल की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अनुसार पीएम-जनमन योजना के तहत चिन्हित बैगा बाहुल्य एवं अन्य विशेष रूप से कमजोर जनजातीय क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्देश्य दुर्गम अंचलों में निवासित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदायों तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर उनके जीवन स्तर और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत बनाना है। 'जब स्वास्थ्य सेवाएं गांव की चौखट तक पहुंचती हैं, तब विकास केवल योजनाओं में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में दिखाई देता है।'

नालसा जागृति योजना के तहत ग्रामीणों को दी गई निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी

साइबर फ्रॉड से हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए जिससे साइबर फ्रॉड से होने वाले ठगी से बचा जा सके तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 में कॉल करके जानकारी ले सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय कुमार होता के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव श्री निलेश जगदला के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /व्यापिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के मार्गदर्शन में पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा लक्ष्मणपुर (छुईखदान) में उपस्थित ग्रामीणों को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दिया गया तथा विशेष रूप से नालसा जागृति योजना के बारे में जानकारी देते हुए उनके उद्देश्यों को बताया गया कि एक ऐसे जागरूक और सशक्त नागरिक समाज का निर्माण करना है जो अन्याय को पहचानने और आर्थिक या सामाजिक अक्षमता के भय के बिना कानूनी ढांचे का पालन करने में सक्षम हो। पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित बहुतरास योजनाओं जैसे की घरेलू हिंसा, नालसा (तस्करी और वाणिज्य यौन शोषण पीड़ितों के लिए विधिक सेवा) योजना 2015, मोटर दुर्घटना के प्रभावितों की मुआवजा क्षतिपूर्ति इत्यादि के संबंध में जानकारी



दिया तथा अगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 12 सितंबर 2026 को आयोजन किया जाएगा जिसमें राजनामा योग्य के मामले को आपसी राजनामा तथा भाईचारा से अपने प्रकरण का जल्द से जल्द निराकरण कर सकते हैं जिसमें ना किसी की जीत और ना किसी के हार होती है। किसी भी व्यक्ति को निशुल्क कानूनी सलाह लेनी है तो नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 में फोन

करके जानकारी ले सकते हैं। थाना छुईखदान के प्रधान आरक्षक 69 अख्तर बेग मिर्जा के द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दिया गया जिसमें साइबर अपराध से बचाव हेतु सावधानियां ब्या करे ब्या ना करें। किसी भी प्रकार के लॉटर, इनाम, कैशबैक, लकी ड्रा, बीमा आदि ऑफर्स से सावधान रहें वर्तमान में हो रहे

3 साल की मासूम का रेप और मर्डर करने वाले आरोपी को कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। राज्य के पुणे की स्पेशल कोर्ट ने तीन साल की बच्ची से रेप और हत्या के दोषी भीमराव कांबले को फांसी की सजा दी है। यह घटना 1 मई 2026 को नसरपुर गांव में हुई थी, जिसमें आरोपी ने बच्ची को बहाने से अपने साथ ले जाकर रेप किया और उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद राज्य में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे और हाईवे जाम किया गया था। महाराष्ट्र के पुणे से एक बड़ी खबर आई है। यहाँ एक स्पेशल कोर्ट ने तीन साल की मासूम बच्ची से रेप और उसकी हत्या करने वाले 65 साल के आरोपी को फांसी की सजा सुनाई है। आरोपी का नाम भीमराव कांबले है और यह पूरा मामला पुणे जिले के नसरपुर गांव से जुड़ा है। कोर्ट ने इस अपराध को बहुत ही गंभीर बताया है और कहा है कि आरोपी की नीयत भी बहुत खराब थी, इसलिए उसे मौत की सजा दी जा रही है। वहीं, दूसरी ओर कोर्ट के फैसले का प्रदेश के सीएम देवेंद्र फडणवीस, छिटी सीएम एकनाथ शिंदे और शरद पवार गुट की एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने स्वागत किया है। यह घटना 1 मई 2026 को हुई थी। आरोपी भीमराव कांबले ने तीन साल की बच्ची को स्नेह देते और नया बछड़ा दिखाने का बहाना बनाकर अपने साथ ले लिया था। वो बच्ची को मवेशियों के बाड़े के पास एक शेड में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ रेप किया और बाद में उसकी हत्या कर दी। इस घटना के सामने आने के बाद महाराष्ट्र में बहुत बड़ा गुस्सा फूट पड़ा था। लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया और मुंबई-बेगलूर हाईवे को भी जाम कर दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया गया। खास बात यह है कि घटना के सिर्फ साठ दिन के भीतर ही कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दे दिया। एडिशनल सेशन जज एस आर सालुंखे ने भीमराव कांबले को अपहरण, रेप और हत्या के सभी आरोपों में दोषी पाया। इसके साथ ही पॉक्सो एक्ट की कई धाराओं में भी उसे दोषी ठहराया गया। सरकारी वकील अजय मिसार ने बताया कि बच्ची के साथ करीब 39 मिनट तक लगातार अत्याचार किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची के शरीर पर 18 चोटों के निशान मिले थे। उसके साथ रेप के अलावा और भी तरह से शारीरिक शोषण किया गया था। आरोपी का डीएनए भी बच्ची के शरीर पर मिला था। कोर्ट में सीसीटीवी फुटेज, डीएनए जांच और मेडिकल सबूतों को आधार बनाया गया। इस मामले में कुल 82 गवाहों ने अपनी गवाही दी थी। सरकारी वकील ने कोर्ट में कहा कि आरोपी पहले भी कई बार इस तरह के अपराध कर चुका है, इसलिए उसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। आरोपी ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था। उसका कहना था कि बच्ची को दिखाते समय वो खुद गिर गया था।

सेहत से खिलवाड़! डेट बदलकर बेचते थे एक्सपायर सामान, महाराष्ट्र में बड़े अंतरराज्यीय रैकेट का पर्दाफाश



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के एक अंतर-राज्यीय रैकेट का भंडाफोड किया है, जो एक्सपायर हो चुके और खराब खाद्य पदार्थों को कमर्शियल मार्केट में दोबारा बेचता था। इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी। अधिकारी ने बताया कि FDA अधिकारियों ने ठाणे जिले के धिवंडी शहर में कई जगहों पर छापेमारी कर 52 लाख रुपये से ज्यादा का अवैध खाद्य स्टॉक जब्त किया।

ऐसे डालते थे नई डेट

सरावली में एक वेयरहाउस से 1.67 लाख रुपये कीमत का 1.5 टन बिना बिल वाला और एक्सपायर हो चुका खाद्य सामान मिलने के बाद उसका खाद्य सुरक्षा लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इसी दौरान निजामपुर पुलिस ने एक अंतर-राज्यीय ट्रक को रोका जिसमें 1,200 किलोग्राम एक्सपायर हो चुका आटा और 5.18 लाख रुपये कीमत के ब्रांडेड उत्पाद बिना किसी वैध इनवॉइस के ले जाए जा रहे थे। इसके बाद धिवंडी में आठ जगहों पर छापेमारी की गई, जिसमें 45.74 लाख रुपये कीमत का बिना दस्तावेज वाला और एक्सपायर हो चुका स्टॉक मिला। FDA के अनुसार इस सिंडिकेट का काम करने का तरीका यह था कि बड़ी ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों अनधिकृत स्क्रीप एजेंसियों को काम पर रखती थीं। यह एजेंसियां डिस्पोजल सर्टिफिकेट बनाती थीं और चुपके से एक्सपायर हो चुके खाद्य उत्पादों को बिना रजिस्टर्ड वेयरहाउस में भेज देती थीं। इसके बाद ऑर्परेंट केमिकल का इस्तेमाल करके असली एक्सपायर डेट मिटा देते थे, नकली मैनुफैक्चरिंग स्टिकर लगाते थे और उत्पादों को कम कीमत पर दोबारा बेचते थे। FDA कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने चेतावनी दी है कि जो लॉजिस्टिक्स कंपनियां डिस्पोजल के नए कूड़े नियमों का उल्लंघन करेंगी, जिनमें अनिवार्य जियो-टैग वीडियो ट्रैकिंग और एक्सपायर हो चुके सामान के लिए अलग लॉक जोन शामिल हैं। उनका लाइसेंस तुरंत और हमेशा के लिए रद्द कर दिया जाएगा और उन पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा।

गएक नाबालिग भी 70,000 रुपये के आपत्तिजनक सामान के साथ पकड़ा गया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। देहागम पुलिस ने गाड़ी चोरी के दो अनुसूतड़े अपराधों को सुलझाया है और एक आरोपी और कानून के साथ संघर्ष कर रहे एक नाबालिग को पकड़ा है। उनके पास से 70,000 रुपये कीमत की दो चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। ये गाड़ियां अहमदाबाद के गांधीनगर सेक्टर-7 और रामोल पुलिस स्टेशनों में दर्ज अपराधों में चोरी की गई थीं। गांधीनगर रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस वीरेंद्र यादव, डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस रवि तेजा वासमशेट्टी और देहागम डिवीजन के असिस्टेंट सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस आयुष जैन के मार्गदर्शन में प्रॉफिट से जुड़े अपराधों को रोकने के लिए एक खास अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, पुलिस इंस्पेक्टर एम. एन. देसाई के नेतृत्व में देहागम पुलिस की सर्विलांस टीम पेट्रोलिंग कर रही थी। पेट्रोलिंग के दौरान, देहागम टी-स्टील के पास पुलिस को खास जानकारी मिली कि दो लोग बिना नजर प्लेट वाली चोरी की मोटरसाइकिल लेकर चिलोडा से देहागम की ओर आ रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत नजर रखी। नजर के दौरान, पुलिस ने दोनों लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, उनकी पहचान मेदरा गांव के ठाकौरवास के रहने वाले 26 साल के मुकेश प्रवीणभाई ठाकौर और कानून के खिलाफ लड़ने वाले एक नाबालिग के रूप में हुई। जांच के दौरान, मुकेश के पास से एक हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और नाबालिग के पास से एक TVS अपाचे RTR-160 yV मोटरसाइकिल मिली। पता चला कि ये दोनों गाड़ियां अहमदाबाद के गांधीनगर सेक्टर-7 और रामोल पुलिस स्टेशनों में गाड़ी चोरी के मामलों में रजिस्टर्ड थीं। पुलिस ने कुल 70,000 रुपये कैश जब्त किए हैं। पुलिस इंस्पेक्टर एम. एन. देसाई, PSI बी. डी. गोहेल, ASI चनश्चामसिंह नारनसिंह, असिस्टेंट हेड कांस्टेबल केतनकुमार जेटाभाई, असिस्टेंट हेड कांस्टेबल सचिनकुमार अशोकभाई और दूसरे पुलिसवाले शामिल हुए। फिलहाल, पुलिस ने आरोपियों से आगे की पूछताछ शुरू कर दी है और यह पता लगा रही है कि क्या ये गाड़ी चोरी के दूसरे अपराधों में भी शामिल हैं।

विलायत GDC में फिर सिविलीटी की समस्या, आरती कंपनी में इलेक्ट्रिक पैनल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। तालुका के विलायत GDC में रविवार शाम को हुए गंभीर हादसे ने एक बार फिर इंडस्ट्रियल सेफ्टी सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कंपनी में इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिसमें दो वर्कर गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए भरूच के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, आरती कैमिकल इंडस्ट्रीज में काम करने वाले मूल रूप से झारखंड के 24 साल के गोविंदयासी शिवलालयासी अपने साथी केलोद गांव के देवेन्द्रसिंह हेंद्रेन्द्रसिंह राज के साथ कंपनी के सेक्शन नंबर 3 में लगे इलेक्ट्रिकल पैनल में केबल बिछाने का काम कर रहे थे। उस दौरान देवेन्द्रसिंह पैनल पर रखे लकड़ी के तख्ते पर चढ़कर काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक तख्ता टूट गया, जिससे इलेक्ट्रिकल केबल खिंच गई और पैनल में भयंकर शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट के बाद आग देखते ही देवेन्द्रसिंह भड़क गए और ऊपर रखे कैमिकल पाउडर तक फैल गई। गोविंदयासी और देवेन्द्रसिंह दोनों आग में बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद कंपनी में अफरा-तफरी मच गई। और घायलों को तुरंत इलाज के लिए भरूच के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। इस घटना ने एक बार फिर इंडस्ट्रियल यूनिट्स में सुरक्षा के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंडस्ट्री सर्कल में चर्चा है कि अगर काम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, सही सुरक्षा उपकरण और खतरनाक ऑपरेशन के लिए जरूरी सावधानियां बरती गई होतीं, तो ऐसे हादसे से बचा जा सकता था। इस घटना के बारे में वागरा पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच चल रही है। अब जांच के बाद ही पता चलेगा कि यह हादसा सिर्फ एक हल्दसा था या सुरक्षा इंतजाम में लापरवाही भी जिम्मेदार थी। स्थानीय लोगों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की भी मांग उठ रही है। गौरतलब है

वडोदरा के विकास में एक और सुनहरा मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। क्लोन सिटी-ग्रीन सिटी' के संकल्प के साथ, वडोदरा नगर निगम और राज्य सरकार ने सयाजीनगरी के लोगों के लिए ट्रांसपोर्ट सेक्टर में एक ऐतिहासिक क्रांति शुरू की है। वडोदरा शहर के लोगों को प्रदूषण-मुक्त, सुविधाजनक और आधुनिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं देने के लिए, PM e-Bus Sewa के तहत 30 AC इलेक्ट्रिक बसों के पहले चरण को हरी झंडी दिखाने के लिए वडोदरा में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। श्री भूपेंद्रभाई दिटल मौजूद थे और उन्होंने बसों को हरी झंडी दिखाई।

मनरेगा के नए मॉडल से राज्यों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

-जयराम ने वीबी जी-रामजी योजना को संघीय ढांचे पर प्रहार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर प्रस्तावित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी-रामजी योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नई व्यवस्था से राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे देश के संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित और अधिकार-आधारित रोजगार गारंटी योजना थी, जबकि नई व्यवस्था आवंटन-आधारित योजना के रूप में काम करेगी। उनके अनुसार प्रस्तावित मॉडल में कुल व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा। जयराम रमेश ने कहा कि जिस आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वहीं 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के बीच करों के बंटवारे के लिए इस्तेमाल किया गया था। उनका तर्क है कि यह फार्मूला राज्य वितरण के लिए उष्णुक हो सकता है, लेकिन व्यय वहन करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अनुदान व्यवस्था में कटौती और राज्यों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी बढ़ाने से पहले से ही कमजोर संघीय ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि



केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित कराया। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। जयराम रमेश ने दावा किया कि

कई राज्यों ने भी नई योजना को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनके अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने भी अतिरिक्त वित्तीय भार को लेकर चिंता व्यक्त की है। वहीं कुछ राज्यों ने कृषि सीजन के दौरान प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' का विरोध किया है, जिसमें

योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि नई योजना के प्रभाव और उसके क्रियान्वयन को लेकर राज्यों की आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित: 1 जुलाई से लागू, प्रदूषण घटाने पर केंद्रित

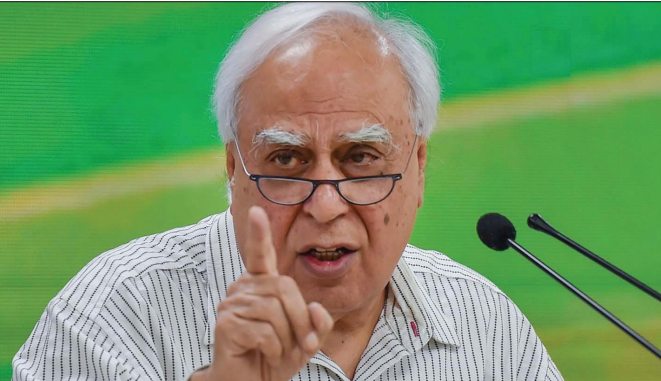


नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की है, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होकर 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाना है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पूरे देश में ईवी पर सबसे अधिक सब्सिडी और अन्य सुविधाएं देने वाला राज्य है। यह नीति अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष सरकारी निवेश आकर्षित करेगी, जबकि नागरिकों को कर छूट और ईवी अवसरचना के माध्यम से लाभ मिलेगा। नीति के तहत, सभी थ्योर ईवी वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी। हालांकि, चार पहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहनों पर लागू होगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर सिब्ल की कविता से गरमाई सियासत

- 'राम को लूटा, देश को लूटा' शीर्षक कविता से केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्ल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक कविता साझा करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनकी टिप्पणी के बाद इस मुद्दे ने नया राजनीतिक रंग ले लिया है। कपिल सिब्ल ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'राम को लूटा, देश को लूटा, अच्छे दिन का नारा झूठा। ऐसे शासन को तोड़ दो, मिलकर देश को जोड़ें।' नदियों का गंगा बंटवारा, सबका देश को देना हमारा। उन्होंने कविता की शुरुआत 'इस सरकार को सत्ता से बाहर करें' जैसे शब्दों से करते हुए सरकार की नीतियों और शासन व्यवस्था पर सवाल उठाए। सिब्ल की यह काव्यात्मक प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब राम मंदिर चढ़ावा



विवाद को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा जारी है। अपनी कविता के माध्यम से उन्होंने कथित भ्रष्टाचार, जवाबदेही और सामाजिक एकता जैसे मुद्दों को एक साथ जोड़ते हुए सरकार की आलोचना की। उन्होंने यह संदेश

देने का प्रयास किया कि देश में विभाजन की राजनीति के बजाय सामाजिक सद्भाव और एकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिब्ल की यह टिप्पणी केवल एक साहित्यिक

अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि विपक्ष की ओर से सरकार के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी है। उनकी कविता में 'अच्छे दिन' के नारे और शासन की कार्यप्रणाली पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। इधर, राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच भी जारी है। पुलिस इस प्रकरण में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसियों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का बयान दर्ज किया है, जबकि आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। इस बीच, मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच की मांग को लेकर वयार चिक्का पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इन्कार करते हुए कहा है कि मामले पर निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार ही विचार किया जाएगा।

बिजली संकट: प्लांट ठप, 10 रुपये यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रही मान सरकार

लुधियाना (एजेंसी)। दशकों तक देश की हरित क्रांति में अग्रणी रहा पंजाब आज भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। गर्मियों के मौसम और धान की रोपाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकारी बिजली सप्लायर्स की 6 इकाइयों के ठप होने से राज्य को नेशनल ग्रिड से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की अत्यधिक महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति ने किसान, उद्योग और आम जनता सभी को बेहाल कर दिया है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है। इस गंभीर संकट का मुख्य कारण सरकारी थर्मल प्लांटों की छह इकाइयों में आई तकनीकी खराबी है, जिससे राज्य में तत्काल 1,800 मेगावाट बिजली की कमी हुई है। इस महामंजन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदरनिर्माण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जकने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके। यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को



सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा समाप्त कर दिल्ली लौट रहे हैं, और मंगलवार को इस ब्रीफिंग में शामिल होने वाले हैं। इसके पहले 21 मई को उन्होंने विक्सित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नियामक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जकने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके। यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एलजी सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की पूजा

-3 जुलाई से बालताल और पहलगाम दोनों मार्गों से यात्रा होगी शुरू

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और अमरनाथ श्राद्ध बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में शामिल हुए। इस साल 3 जुलाई से बालताल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी। कुल 57 दिनों तक यह यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा। प्रशासन ने बालताल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे,



सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ज्यादातर तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई अगले दो से तीन दिनों में काम पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के लिए दो रूट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रूट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा

बालताल रूट। पहलगाम रूट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रूट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई अगले दो से तीन दिनों में काम पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के लिए दो रूट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रूट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच पीएम मोदी की शीर्ष नौकरशाहों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट फेरबदल की तेज होती अटकलों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विभागीय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस महामंजन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदरनिर्माण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जकने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके। यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को

प्रस्तुति के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनसे पूछा जाएगा कि व्यापार और नागरिक जीवन को आसान बनाने के लिए उन्होंने उदरनिर्माण और सुधार एजेंडा लागू करने में क्या कदम उठाए हैं, आगे क्या कर सकते हैं और उनके क्या सुझाव हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर विनियमन में ढील तथा सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस दिशा में दो अहम समितियां कार्यरत हैं। इसमें से एक उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव और नीति आयोग सदस्य राजीव

गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतिपत्रों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चर्यानि सचिवों की भी नियुक्ति की है।

गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतिपत्रों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चर्यानि सचिवों की भी नियुक्ति की है।



एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिट्यू पर उठाए सवाल, रिपोर्ट्स को बताया अनावश्यक

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिट्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरनल और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तों के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया। एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे। चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं। साथ ही कहा कि बोर्डरूम की बातें बोर्डरूम तक ही रहनी चाहिए। पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने अपने पद से 18 मार्च को इस्तीफा दिया था। 2021 में बैंक के बोर्ड में शामिल हुए चक्रवर्ती ने इस्तीफे में पिछले दो वर्षों में बैंक के भीतर हुए कुछ घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की थी इस दौरान उन्होंने कहा, 'पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और कार्यप्रणालियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूँ कि मेरे इस्तीफे का उपरोक्त कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं है।'

ग्लोबल वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी



मुंबई।

ग्लोबल वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। इस दौरान सेंसेक्स 45 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,055 अंक और निफ्टी 5 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,061 पर था। शुरुआती कारोबार में खरीदारी फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में देखी जा रही थी। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर टॉप गेनर थे। निफ्टी फिन सर्विस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दूसरी तरफ, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में इंटरनल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एशियन पेट्स, टेक महिंद्रा, एचयूएल, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, इन्फोसिस, टीसीएस, एमएंडएम, बीईएल, भारती एयरटेल और एलएंडटी लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि शंघाई, हांगकांग और बैंकॉक में तेजी थी। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे। इस दौरान मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। भारत के साथ एशियाई बाजारों के मिलाजुला कारोबार करने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू होना है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब दोनों देश एफएन-डूब्लर पर हमले रोकने पर सहमत हो गए हैं। दोनों पक्ष मंगलवार को कतर में बैठक कर सकते हैं। मध्य पूर्व में तनाव फिर बढ़ने से कच्चे तेल में मजबूती देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.07 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेट क्रूड 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर था।

बीपीसीएल ने टीटीएसआईपीएल में 85 करोड़ रुपए में खरीदी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि वह टिकी टार एंड शेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीटीएसआईपीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का 85 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश वैल्यू-एडेड बिटुमिन (बीओबी) बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। पीएसयू कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस स्ट्रेटिजिक

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने तेजी से उठाए कदम नवदीप सूरी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पूर्व राजदूत नवदीप सूरी ने सोमवार को कहा कि हालांकि 28 फरवरी को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) के बंद होने की स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे खराब परिस्थितियों में से एक थी, लेकिन भारत सरकार ने तेजी से कदम उठाकर इस संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया और देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। न्यूज एजेंसी आईएनएसएस से बातचीत में सूरी ने

कहा, 'मुझे लगता है कि इस दौरान सरकार ने काफी सक्रिय उर्जा कूटनीति का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के साथ जो विशेष संबंध बनाए हैं, वे इस संकट के समय बेहद काम आए। उन्होंने बताया कि 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और युद्ध के दौरान पेट्रोलियम मंत्री की कतर यात्रा इसका उदाहरण हैं। सूरी ने कहा कि इन मजबूत संबंधों की वजह से भारत को एलपीजी और कच्चे तेल जैसी ऊर्जा आपूर्ति लगातार

अमेरिकी कस्टम जांच की खबरों से वारी एनर्जीज के शेयरों में 5.7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, कंपनी ने दी सफाई

मुंबई।

सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर सोमवार को 5.7 प्रतिशत से अधिक टूट गए। शेयरों में यह गिरावट कंपनी द्वारा अमेरिका में उसके निर्यात को लेकर चल रही कस्टम जांच से जुड़ी खबरों पर सफाई जारी करने के बाद भी देखने को मिली। सोमवार दोपहर 2 बजे तक के कारोबार में एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.7 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 2,836 रुपए के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। अपने स्पष्टीकरण में वारी एनर्जीज ने कहा कि मीडिया

में आई रिपोर्टों को गलत तरीके से समझा गया है और उन्हें जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, लगाए गए मुख्य आरोप अब तक साबित नहीं हुए हैं और इस मामले से उसके कारोबार पर कोई बड़ा जोखिम नहीं है। कंपनी ने कहा कि उसके अमेरिकी कारोबार, विनिर्माण, ग्राहकों को होने वाली आपूर्ति या व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, 'अमेरिका में हमारा कारोबार पूरी तरह सामान्य तरीके से चल रहा

है। विनिर्माण, ग्राहकों को डिलीवरी या व्यावसायिक संचालन पर इस मामले का कोई प्रभाव नहीं है।' कंपनी की यह सफाई उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि वारी एनर्जीज ने चीन में बने सोलर सेल का इस्तेमाल करके उन्हें भारत में बने मॉड्यूल के रूप में अमेरिका निर्यात तो नहीं किया। यदि ऐसा होता, तो ग्राहकों को चीन से आने वाले उत्पादों पर लगने वाले अधिक आयात शुल्क से बचने का फायदा मिल सकता था। वारी

एनर्जीज ने बताया कि अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने भारत स्थित उसके विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया और यह पुष्टि की कि जांच के दायरे में आने वाले शिपमेंट में किसी भी चीनी मूल के सोलर सेल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल निष्कर्ष नहीं निकाला है और न ही उसे किसी तरह की गड़बड़ी का दोषी ठहराया है। कंपनी के अनुसार, अमेरिकी कस्टम की समीक्षा केवल कुछ पुराने आयात शिपमेंट तक सीमित है।

बेहतर प्रशासन के लिए प्रशासनिक डेटा को राष्ट्रीय संपत्ति बनाना आवश्यक पीएम के प्रधान सचिव

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा ने सोमवार को कहा कि भारत के अलग-अलग विभागों में बिखरे प्रशासनिक डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति में बदलने की जरूरत है। उनका कहना है कि यदि सरकारी डेटा को बेहतर एकीकरण किया जाए तो इससे सुशासन, नीति निर्माण और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा, साथ ही गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। सांख्यिकी दिवस के 20वें समारोह को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन के कारण सरकारी योजनाओं, नियामक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में प्रशासनिक डेटा तैयार हो रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मूल्यवान डेटा अभी भी अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों तक ही सीमित है, जिससे इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, 'इन डेटा सेट्स में आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचे के निर्माण, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयों मौजूद हैं। लेकिन इनकी समृद्धता और व्यापकता के बावजूद अधिकांश डेटा मंत्रालयों, विभागों और विभिन्न संस्थाओं में बिखरा हुआ है, जिससे नीति निर्माण और सुशासन में इसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।'

पी.के. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रशासनिक डेटा को अब केवल विभागीय कामकाज का उप-उत्पाद (बाय-प्रोडक्ट) मानकर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे महत्वपूर्ण डेटा की कमी को दूर किया जा सके, बेहतर नीतियां बनाई जा सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश आने की संभावना रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वर्ष 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आने की संभावना है। सोमवार को जारी ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस अनुमान में वित्त वर्ष 2026 तक घोषित और लागू किए जा रहे प्रोजेक्ट्स की लगभग 3.7 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2029 तक शुरू होने वाली नई परियोजनाओं में करीब 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना जाहै गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड यात्री संख्या और

राठी ने कहा कि घरेलू हवाई यात्रा में मजबूत मांग, टियर-2 शहरों में एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार और नवी मुंबई तथा जेवर जैसे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू होने से हवाई यात्री यातायात में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। उनके अनुसार, इन कारणों से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में आई सुस्ती का असर काफी हद तक संतुलित हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की वृद्धि फिलहाल धीमी पड़ गई है, जिसका मुख्य कारण उड़ानों पर प्रतिबंध, ईंधन की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री संख्या

में 38 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी केवल पश्चिम एशिया की है। ऐसे में इस क्षेत्र में जारी अस्थिरता का सीधा असर भारतीय विमानन उद्योग पर पड़ रहा है। नीरज राठी ने कहा कि इन चुनौतियों के कारण वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में वृद्धि सीमित रह सकती है। हालांकि, दूसरी छमाही में एयरलाइंस के शीतकालीन यात्रा सीजन के लिए नई उड़ानें शुरू करने और नए एयरपोर्ट पूरी क्षमता से संचालन शुरू करने के बाद यात्री संख्या और मांग में तेज सुधार देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का क्रेडिट आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

होर्मुज संकट के दौरान निर्बाध ईंधन की आपूर्ति, भारत के ऊर्जा क्षेत्र की ताकत को दिखाता है एक्सपर्ट्स



नई दिल्ली।

करीब चार महीनों तक होर्मुज स्ट्रेट बंद रहने के दौरान भारत में ईंधन की आपूर्ति यथावत रहना और ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ना, देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती को दिखाता है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, विविध स्रोतों से आपूर्ति और सरकारी निर्णयों में समन्वय से समर्थन प्राप्त है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।समाचार एजेंसी आईएनएसएस से बात करते हुए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वॉलिका शुक्ला ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के चलते पैदा हुई चुनौतियों ने भारत के ऊर्जा सेक्टर की ताकत को दिखाया है। इस दौरान भारत की आपूर्ति स्थिर रही और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों का खुदरा कीमतों पर प्रभाव न्यूनतम रहा। इसकी वजह सरकार की ओर से समय

इवेको के अधिग्रहण से टाटा मोटर्स सीवी बनेगी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इवेको के अधिग्रहण से कंपनी की वार्षिक बिक्री शुरुआत में करीब 6 लाख यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा कंपनी को दुनिया का चौथी सबसे बड़ा कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर बनाएगा। चंद्रशेखरन ने कंपनी की दूसरी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स सीवी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस आंकड़े को 10 लाख यूनिट्स तक ले जाना है। चंद्रशेखरन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब टाटा मोटर्स सीवी इवेको के कारोबार को अपने कारोबार में एकीकृत करने पर काम कर रही है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि प्रस्तावित इवेको अधिग्रहण से टाटा मोटर्स के ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी। इस अधिग्रहण के लिए रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है और उम्मीद है कि यह इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

भारत का औद्योगिक उत्पादन मई में 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रही तेजी

नई दिल्ली।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर मई 2026 में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत रही है। इससे यह बढ़कर 122.7 पर पहुंच गया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और जल प्रबंधन क्षेत्रों ने प्रमुख योगदान दिया। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

खास बात यह है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह संशोधित आधार वर्ष के तहत डेटा का दूसरा सेट है। सरकारी डेटा के मुताबिक, मई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा है। इसे कई उद्योगों में वृद्धि का फायदा मिला है। हालांकि,



खनन में मई में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की कमी देखी गई है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों में से 16 ने मई 2025 की तुलना में मई 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 के दौरान सबसे अधिक सकारात्मक योगदान देने वाले तीन प्रमुख उद्योग समूह में मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर के निर्माण में वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत, विद्युत उपकरण के निर्माण में वृद्धि दर 20.8 प्रतिशत और बेसिक मेटल

के निर्माण में वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रही। वहीं, बिजली और गैस का उत्पादन 9.9 प्रतिशत और पानी की आपूर्ति में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। इसके अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की जबर्दस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में लगातार तेजी का संकेत है। मई में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े

सामान का उत्पादन 5.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि लंबे समय तक चलने वाले कच्चा मूल्य गुट्स का उत्पादन 7.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले 22 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी डेटा में बताया गया कि भारत की आठ मुख्य इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडेस्ट्रीज में संयुक्त सूचकांक की विकास दर मई में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत रही है। इसमें सीमेंट, स्टील और इलेक्ट्रिसिटी क्षेत्र में जबर्दस्त तेजी देखी गई है।

मारुति सुजुकी ने एआई और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के लिए अपने साथ पांच स्टार्टअप को जोड़ा

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पांच स्टार्टअप को अपने साथ जोड़ा है। ये स्टार्टअप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सरटनेबिलिटी-आधारित समाधान विकसित करेंगे, जिनका उद्देश्य कंपनी की परिचालन दक्षता (ऑपरेशनल एफिशिएंसी), ग्राहकों के अनुभव और बिजनेस प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना है। चयनित स्टार्टअप में मिनीमाइन्स, ईजवर्क एआई, सर्वम एआई, सिफटली और कोडमेट एआई शामिल हैं। ये सभी मारुति सुजुकी इन्क्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के पांचवें बैच के विजेता हैं, जिसका संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बैंगलूर के स्टार्टअप इन्क्यूबेटर एनएसआईईएल के साथ साझेदारी में किया जाता है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीओओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी लंबे समय से स्टार्टअप के साथ मिलकर वास्तविक कारोबारी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमें पांच और स्टार्टअप के साथ साझेदारी करने खुशी हो रही है। इनमें से मिनीमाइन्स हमारी एंड-ऑफ-लाइफ बैटरियों को सुर्क्षित तरीके से रीसायकल करने में मदद करेगा, जबकि बाकी चार स्टार्टअप ग्राहक जुड़ाव (कस्टमर एंगेजमेंट) बढ़ाने और हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाने में सहयोग करेंगे।'

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए किया पार हर्दीप पुरी

नई दिल्ली, 29 जून (आईएनएसएस)। के द्तीय पेट्रोलियम मंत्री हर्दीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा



आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की। चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए। उन्होंने कहा, 'जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।' मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग

गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही। संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्ससाइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।' पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्टीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खप हासिल की।



मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन



सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजों सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
बादाम: 50 ग्राम
घी: 2 चम्मच
दूध: 1 कप
चीनी: स्वादानुसार
इलायची पाउडर: 1 चुटकी
विधि
मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म

करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।
गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली: 100 ग्राम
काजू: 50 ग्राम
आलू: 2 उबले हुए
हरी मिर्च: 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट: 1 चम्मच
नमक: स्वादानुसार
तेल: टिक्का तलने के लिए
विधि
मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद: 2 उबले हुए
मूंगफली: 50 ग्राम भुनी हुई

हरा धनिया: 1 चम्मच
नींबू का रस: 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला: स्वादानुसार
विधि
शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली: 1 कप
शहद: 1 चम्मच
तेल: 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि
मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

आम की गुठली से बनाएं टेस्ती और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्ती डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्ती और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्ती डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्ती और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्कैन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे
सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइस को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।



किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी

मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका
कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-
सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।
अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।
अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज या बहुत ज्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिप ना आजमाएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना जरूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मेटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि



घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं हैं।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मेटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वही, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिंसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी



लाजेन (रियटजरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एजीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजूरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्पिंग क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया है।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारूप में 6-6 टीमों स्पर्धा पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशासक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रूप से 28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की र्यू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप



मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की र्यू हेरान ने 10-स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कैपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एंजिलीजी की 2023 'रूकी ऑफ द इयर' र्यू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए हुए इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यू इना को दो स्ट्रोक से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में र्यू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 125 साल की र्यू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। र्यू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक पीछे रही। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

● साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाविच्यो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्डकप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमों 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉन्स्टन ने



इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर उन्हें सुपरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी।

फीफा वर्ल्डकप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्डकप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बड़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रीमियर डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाविच्यो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोक रखा। गोलकीपर रॉनेवन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बेडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत - भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की



जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याद ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याद ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरुनी पार्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी कियू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी। इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन: योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टैनिस् सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वां है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।



करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताब: योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं। उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार साल: योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा, उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पकड़ दिलाने का लक्ष्य: भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया। उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा



● जब डिफेंडिंग चैंपियन को गुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर

● न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार

हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन गुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो। टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के गुप स्टेज से बाहर हो गया। 'द ओवल' में अपने आखिरी गुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन गुप स्टेज से बाहर हुए। 'ब्लैककेम्प' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में गुप स्टेज से बाहर हो गई थी। गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात



पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए, जिसमें हेरी ट्रेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली। वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया। इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी। जिसकी वजह से उन्हें एक रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी। इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे। वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस अंतरराष्ट्रीय को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी। हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपको रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'



स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार और अपना सब कुछ डोका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है। मैं बस यही चाहता हूँ, हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूँ कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूँ कि इस गुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है। मैं बस यही चाहता हूँ कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।



क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'इगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।



'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में हैं। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।'

एकता कपूर ने कहा, 'पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की

पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रिशेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।



वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर

आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्मस कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएनएसएफ को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संघू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संघू ने बताया कि वह

'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी

जताई। उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।



फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमार सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगडियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की

रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं



इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य

लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बर्नार्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजदूर परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हटके-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।



कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरती, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूँ, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था

में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी वयों भाग रही हूँ। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूँ, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉर्पोरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी

बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए गुपिज्म और

बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'गुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवर्ती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवर्ने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवर्ती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवर्ने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तेलंगाना के युवा की सदृग्ध मौत, बर्थडे पार्टी में गुवा था; परिवार ने शव भारत लाने की अपील की

लंदन, एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के 25 साल के श्रीनाथ रेड्डी की ब्रिटेन में सदृग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह करीब 14 महीने पहले मास्टरस की पढ़ाई के लिए लंदन गए थे और लीसेस्टर की डी मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, 22 जून की रात श्रीनाथ ने घर पर बात की थी और सब कुछ सामान्य था। इसके बाद वह एक बर्थडे पार्टी में गए थे। अगले दिन 23 जून की सुबह उनके रूममेट ने उन्हें मृत पाया। रूममेट ने दोस्तों को बताया कि श्रीनाथ ने कथित तौर पर आत्महत्या की है। हालांकि, मौत की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रीनाथ के पिता मधुसूदन रेड्डी ने केंद्र और तेलंगाना सरकार से बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है। वहीं, ब्रिटेन की ओर से अब तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का गांव पर हमला, 15 की मौत

अबुजा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया के एक कृषि समुदाय पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह हमला शुक्रवार को हिंसा प्रभावित जमफारा राज्य के तलाता माफारा इलाके में हुआ। इस क्षेत्र में पहले भी कई बार हिंसा हो चुकी है। अलग एक किस्ती भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद अब्दुलअजीज यारी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस हमले को 'आतंकी हमला' बताया। इलाके के स्थानीय प्रशासन के प्रमुख याहया यारी शुक्रवार शाम पीड़ितों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वायरल वीडियो में उन्होंने भावुक होकर राष्ट्रपति बोला टीनुबू और क्षेत्र से आने वाले उप रक्षा मंत्री से हस्तक्षेप कर हत्याओं का सिलसिला रोकने की अपील की।

यूरोप: बोस्निया और हर्जोगोविना में देशभर में गर्मी का अलर्ट, जंगलों में आग जारी

सारायेवो, एजेंसी। बोस्निया और हर्जोगोविना ने शनिवार को पूरे देश में ऑरेंज हीट अलर्ट जारी किया। अगले कुछ दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, गर्म और शुष्क मौसम के कारण लगी कई आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मी लगातार काम कर रहे हैं। देश के जल एवं मौसम विज्ञान संस्थान ने बताया कि ऑरेंज अलर्ट 27 जून से 30 जून तक प्रभावी रहेगा। हर दिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा खतरा रहने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। संस्थान ने लोगों, खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों से लंबे समय तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य व आपातकालीन अधिकारियों की सलाह का पालन करने की अपील की है।

अगले साल के शुरू में भारत का दौरा करेंगे ट्रंप : रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल के शुरू में भारत का दौरा कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यह जानकारी दी। साथ ही बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा तैयारियों के सिलसिले में यह खुद इसी साल भारत दौरा कर सकते हैं। रुबियो ने एक इंटरव्यू में कहा, हम कोशिश कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में किसी समय राष्ट्रपति ट्रंप भारत का दौरा करें। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। भारत पिछले कई महीनों से ट्रंप के भारत दौरे के लिए जोर दे रहा है। बहुत संभव है कि यह दौरा जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली एक साझा बैठक का हिस्सा हो। पिछले एक साल में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। रिश्ते को सुधारने के मकसद से रुबियो ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था। लेकिन वाणिज्यिक जहाज अमेरिकी नौसेना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने से दोनों देशों के रिश्तों में फिर से कड़वाहट आ गई है।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल: भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा, सरकार को लगा झटका

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोनी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबरटियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है। एडोनी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं।

4 दिन में तीसरी बार भूकंप से हिला जापान, इवाते में 6.1 की तीव्रता से कांपी धरती; दहशत में लोग

टोक्यो, एजेंसी। जापान में क्वदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह एक बार फिर देश का उत्तरी हिस्सा शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई है। पिछले महज चार दिनों के भीतर जापान में आया यह तीसरा बड़ा और शक्तिशाली भूकंप है, जिसने वैज्ञानिकों और सरकार को चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस ताजा भूकंप के बाद फिलहाल कोई सुनामी अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

रविवार सुबह इवाते प्रांत में आया : भूकंप जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, रविवार को आए इस भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत का तटीय इलाका था। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:21 बजे जब लोग गहरी नींद में थे, तभी धरती तेज झटकों के साथ कांपने लगी। भूकंप का केंद्र जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। रिपोर्टों के अनुसार, आगरी प्रांत के हाचिनोहे शहर में भूकंप की तीव्रता काफी अधिक महसूस की गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

4 दिन में 3 बड़े भूकंपों से दहशत : जापान में पिछले 96 घंटों के दौरान भूकंपों का जो सिलसिला शुरू हुआ है, उसने 2011 की भयावह यादें ताजा कर दी हैं। गुरुवार (25 जून) को उत्तरी जापान के इवाते प्रांत में 7.2 तीव्रता का महाविनाशकारी भूकंप आया था। शुक्रवार (26 जून) की रात को टोक्यो और मांडो फूजी के पास यामानाशी प्रांत में 5.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। रविवार (28 जून) सुबह एक बार फिर इवाते प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया।

शुक्रवार के भूकंप ने मचाई थी तबाही : भले ही रविवार के भूकंप ने नुकसान की खबर कम है, लेकिन शुक्रवार रात आए भूकंप ने जापान के कई शहरों को

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप: अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल; 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

कराकस, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मैडिटेरनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते हैं। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूँढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

रविवार सुबह फिर कांपी धरती : वेनेजुएला के लोग अभी बुधवार की तबाही से उबर भी नहीं थे कि रविवार सुबह फिर से तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है। इसका केंद्र एल लियोन शहर से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने लोगों को घरों से बाहर भागने पर



मजबूर कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में और भी आपटरशॉक्स आ सकते हैं, जिससे कमजोर हो चुकी इमारतें गिर सकती हैं। मलबे में अपनों की तलाश : तबाही का सबसे खौफनाक मंजर 'ला-गुरा' इलाके में दिख रहा है, जहां सैकड़ों इमारतें जर्मीदोज हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो दिल दहला देने वाले हैं, जिनमें सुबह फिर से तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है। इसका केंद्र एल लियोन शहर से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने लोगों को घरों से बाहर भागने पर

देरी हो रही है। मदद को आगे आए कई देश : संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस आपदा से वेनेजुएला को करीब 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद के लिए आगे आया है। शनिवार को करीब 1,600 विदेशी बचावकर्मी वेनेजुएला पहुंचे और जल्द ही 10 अन्य देशों की टीमों भी इस मिशन में शामिल होने वाली हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 14,000 सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। क्या 10,000 पार होगी मृतकों की संख्या : अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को डरा

दिया है। स्लस् के मुताबिक, जिस तरह की तबाही हुई है, उसे देखते हुए मृतकों की संख्या 10,000 के पार जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह पिछले एक सदी में लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक होगा। देश में भ्रष्टाचार की खबरों ने भी इस आपदा के प्रभाव को और अधिक भयावह बना दिया है, जिससे राहत कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद' : भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है।

भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने ट्रंप से फोन पर की बात, इजरायल के साथ फ्रेमवर्क एग्रीमेंट लागू करने का किया वादा

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने शनिवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति औन ने वादा किया कि लेबनान और इजरायल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाले फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने में लेबनान सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। यह बात लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कही गई।

औन ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका समझौते के उल्लंघन को रोकने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि डील के तहत किए गए सभी वादे पूरे हों, खासकर इजरायल पर दक्षिणी लेबनान में अपने कब्जे वाले इलाकों से हटने का दबाव डालकर, ताकि लेबनानी सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बॉर्डर तक तैनात किया जा सके। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने लेबनान और उसके लोगों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को फिर से दोहराया और डील को लागू करने और देश में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वाशिंगटन लेबनान की

संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करेगा, साथ ही देश के पूरे इलाके में अपनी आर्म्ड फोर्स के जरिए स्टेट अर्थॉरिटी के एकस्टेंशन का भी समर्थन करेगा। फोन के आखिर में, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही वाशिंगटन में औन से मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में हस्ताक्षर किए गए इस समझौते में दोनों देशों के बीच एक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। अमेरिका की मीडिएशन और समर्थन से लेबनान की संप्रभु सरकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बॉर्डर तक तैनात किया जा सके। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने लेबनान और उसके लोगों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को फिर से दोहराया और डील को लागू करने और देश में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वाशिंगटन लेबनान की

कुवैत से बहरीन तक तबाही! ईरान का अमेरिकी बेस पर भीषण हमला, 8 सैन्य ठिकानों को मिसाइलों से किया राख

बहरीन , एजेंसी। ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने रविवार को यह दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिका के आठ प्रमुख सैन्य ठिकानों पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसकी पांच तटीय चौकियों पर किए गए हमलों का 'निर्णायक जवाब' है। इन हमलों के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में महायुद्ध की आहट तेज हो गई है।

रात के अंधेरे में हुआ भीषण हमला : यह बड़ा सैन्य ऑपरेशन रविवार रात करीब 2:00 बजे से 3:00 बजे के बीच अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में ईरान की नौसेना और एयरोस्पेस फोर्स ने संयुक्त रूप से हमला किया। ईरान ने विशेष रूप से कुवैत में स्थित अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन में मौजूद अमेरिका के पांच बड़े बड़े के मुख्यालय को अपना मुख्य निशाना



बनाया। बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन के जरिए किए गए इन हमलों में ठिकानों को भारी क्षति पहुंचने का दावा किया गया है। ईरान ने इस हमले को जवाबी कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि अमेरिकी सेना ने पहले ईरान की सीमा में मौजूद 5 तटीय चौकियों पर हमला किया था। अमेरिका ने इन हमलों के लिए एक 'संदिग्ध जहाज' को रोकने की कार्रवाई का बहाना बनाया था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका लगातार उस सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है

जिसकी घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अब तक अमेरिकी आक्रमणकारों के जवाब में 100 से अधिक बार जवाबी कार्रवाई की है।

IRGC ने साफ चेतावनी दी है कि स्टेट ऑफ होर्मुज से होने वाली सभी शिपिंग और सुरक्षा की जिम्मेदारी अब केवल ईरान की है। यह कदम पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए एक हालिया समझौते के तहत उठाया गया है, जो ईरान और अमेरिका के बीच हुआ था। ईरान ने

कड़े शब्दों में कहा है कि अगर कोई भी जहाज नियमों का उल्लंघन करेगा, तो उससे भविष्य में और भी कड़वता से निपटा जाएगा। यह विवाद शुक्रवार को उस समय शुरू हुआ था जब ईरान की नौसेना ने एक व्यापारिक जहाज पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की थी।

ईरानी हमले से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि 'सीजफायर तोड़ो तो ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा'। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया है कि उन्होंने एक तेल टैंकर पर हुए हमले के जवाब में ईरान के भीतर कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हॉर्मुजगान प्रांत के सिरिक इलाके में एक टेलीकॉम टावर पर धमाका हुआ है और केरमा द्वीप पर भी संदिग्ध विस्फोटों की खबरें हैं।

इजरायल-लेबनान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट से शांति समझौते का रास्ता होगा साफ : पीएम नेतन्याहू

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हस्ताक्षर किया गया फ्रेमवर्क समझौता, संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच शांति समझौते तक पहुंचने का रास्ता बनाता है। शनिवार को यरूशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि 'यह समझौता इजरायल और लेबनान को मजबूत करता है और ईरान और हिज्बुल्लाह को कमजोर करता है। यह आने वाली चीजों का संकेत है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि समझौते के तहत, अमेरिका और लेबनान इजरायल के दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा



जो न बनाए रखने के अधिकार को मान्यता देते हैं, जब तक यह इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना तब तक सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखेगी जब तक हिज्बुल्लाह और दूसरे आतंकी संगठन हथियार नहीं छोड़ देते। नेतन्याहू ने कहा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में सुरक्षा जोन की उत्तरी सीमा के पास दो इलाके

शामिल हैं, जिनकी सलाह इजरायली सेना ने दी है, जहां हिज्बुल्लाह को खत्म करने और इलाके को लेबनानी सेना के कंट्रोल में देने के लिए एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 9,000 से ज्यादा हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स को मार गिराया और समूह के 150,000 मिसाइलों और रॉकेट के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी नष्ट कर दिया है। शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में

साइन किए गए इस एग्रीमेंट में दोनों देशों के बीच एक नाजुक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'आज का दिन अच्छा है क्योंकि हमें यह एलान करते हुए खुशी हो रही है कि लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ, जो पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना शुरू करता है। इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कांगो में इबोला ने मचाई तबाही; संक्रमितों की संख्या 1200 पार, नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला



किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो एक बार फिर जानलेवा इबोला वायरस की गिरफ्त में है। ताजा आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, देश में इबोला संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह आंकड़ा अब 1,200 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक कुल 1,203 लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 321 मरीजों ने अपनी जान गंवा दी है। यह स्थिति अफ्रीका के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति काफी चिंताजनक है। वर्तमान में 419 मरीज या तो आइसोलेशन में हैं या विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहत की बात केवल इतनी है कि अब तक 148 मरीज इस बीमारी को माल देकर पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे वास्तविक मृत्यु दर और

अधिक होने की आशंका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रेयसस ने इस संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि इस महामारी के खिलाफ जंग अभी बहुत लंबी है। इलाके में जारी सशस्त्र संघर्ष और असुरक्षा की वजह से राहत और बचाव कार्यों की गति काफी धीमी हो गई है। इबोला के खिलाफ इस अभियान में केवल वायरस ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी दीवार बनकर खड़ी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थानीय समुदायों में भरोसे की कमी के कारण लोग पोस्ट-मॉर्टम परीक्षणों का विरोध कर रहे हैं। मौजूदा केंद्र लगाभू पूरी तरह भर चुके हैं। इसके अलावा, दवाओं की कमी, संक्रमण रोकथाम सामग्री का अभाव और लगाभू 20 नए आइसोलेशन केंद्रों की तत्काल आवश्यकता जैसे मुद्दे अभियान को कमजोर कर रहे हैं।